सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 16 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 17 फरवरी, 2023
मूल्य ₹ 3/-

हर कोई हर किसी चीज में अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन हर कोई किसी न किसी चीज में अच्छा हो सकता है।
-महात्रिया रा

उद्धव ठाकरे को सुप्रीम कोर्ट का... 8 | राम के बाद शिव पर राजनीतिक... 3 | इजरायली कंपनी के दुष्प्रचार पर... 7

सजायाफ्ता योगी सरकार के मंत्री ने तोड़े भ्रष्टाचार के रिकॉर्ड 81 में से 72 प्लॉट हथियाए

» फतेहपुर के चकहता और सुधवापुर औद्योगिक आस्थान में राकेश सचान के पास जमीन का कब्जा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार की भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस की नीति की कलई उनके कैबिनेट मंत्री ही खोल रहे हैं। भ्रष्टाचार मामले में उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री यानी एमएसएमई मंत्री राकेश सचान का कारनामा सामने आया है। मंत्री राकेश सचान ने फतेहपुर में खुद और अपनी संस्था के नाम 72 प्लाट अलॉट करवा लिए। सबसे बड़ी बात वहां पर 81 भूखंड ही है। 9 भूखंड आज भी खाली पड़े हैं। ये सभी प्लॉट मुख्य मार्ग इंडस्ट्रियल जोन में आवंटित है। इन्वेस्टर को बुलाने और लुभाने मंत्री जी डींगे हाकने दुबई गए हुए थे।

यही नहीं मंत्री जी की एक कारगुजारी और है कि वह प्लॉट पर काबिज तो हो गए लेकिन अभी मार्जिन मनी तक नहीं जमा किया है। 2012 से यह प्लॉट्स मंत्री राकेश सचान के कब्जे में हैं। अभी तक इस पर कोई इंडस्ट्री तक नहीं लगाई गई। राकेश सचान बीते दिनों एक मामले में सजायाफ्ता भी हैं। अदालत से राहत पाकर मंत्री पद पर बने हुए हैं। जीरो टॉलरेंस पर हल्ला मचा देने वाली बीजेपी सरकार के मंत्री जी का भ्रष्टाचार का यह खेल गोते लगाते हुए इन्वेस्टर और यूपी की जनता पर बड़ा तमाचा मार रहा है। आखिर कौन सी वजह है कि ऐसे दागी मंत्रियों का उत्तर प्रदेश सरकार साथ देने पर मजबूर है।

ये है मामला

फतेहपुर में एमएसएमई मंत्री राकेश सचान की संस्था अभिनव सेवा संस्थान के नाम से उद्योग विभाग के मिनी आस्थान चकहता में 32 और सुधवापुर में 40 प्लाट अलॉट किए गए हैं। इस ममाले की शिकायत लघु उद्योग भारती फतेहपुर के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह ने लिखित में भेजी है। बताया गया है सभी आवंटन 2012-13 में किए गए हैं। सबसे बड़ी बात सिक्योरिटी के रुप में दी जाने वाली 10 प्रतिशत धनराशि को भी जमा नही कराया गया है और नही अभी तक कोई इंडस्ट्रियल यूनिट ही लगाई गई है। मामले की जानकारी तब हुई जब इंवेस्टर्स समिट के लिए जिले स्तर पर इंडस्ट्रियल प्लाट की खोज की जा रही थी। उधर फतेहपुर के उद्योग विभाग के बड़े अधिकारी का कहना है कि आवंटन की रकम की रिकवरी की जाएगी। शिकायकर्ता सत्येंद्र सिंह ने बताया कि आयुक्त उद्योग के कार्यालय उनको दस्तावेज व प्रमाण समेत 22 फरवरी को बुलाया गया है।

एक ही लाइन में मिले हैं प्लॉट : सत्येंद्र

लघु उद्योग भारती फतेहपुर के अध्यक्ष सत्येंद्र सिंह का आरोप है कि फतेहपुर में आठ इंडस्ट्रियल एरिया हैं। चकहता में 36 प्लाट हैं। इसमें 32 प्लाट एक ही संस्था के नाम है। प्लाट नं 1 से 17 व 22 से 36 एक लाइन में है जो राकेश सचान के नाम से आवंटित हैं। पता अज्ञात है। आस्थान सुधवापुर में 45 में से 40 प्लाट (1 से 40 नंबर) राकेश सचान के नाम है। सबसे बड़ी बात इन प्लाटों का उपयोग उद्योग व प्रशिक्षण एंव समाज सेवा संस्थान के रुप में बताया गया है। राकेश सचान ने 1993 में जनता दल से करियर शुरू किया था। वह सपा,कांग्रेस में भी रह चुके है। वर्तमान में वह बीजेपी में हैं और कानपुर देहात के भोगनीपुर सीट से विधायक है।

आर्म्स एक्ट में मिल चुकी है एक साल की सजा

कानपुर की एक अदालत ने यूपी सरकार के मंत्री राकेश सचान को 31 साल पुराने आर्म्स एक्ट के एक मामले में एक साल की सजा सुनाई थी। सजा के अलावा राकेश सचान पर 1500 रुपये का जुर्माना भी लगा था। उन पर ये भी आरोप है कि शनिवार 6 अगस्त को कोर्ट की तरफ से दोषी ठहराए जाने के बाद राकेश सचान वहां से अपनी फाइल लेकर भाग गए थे। कानपुर में सरकारी कर्मचारी से मारपीट और जानमाल की धमकी देने के 32 साल पुराने मुकदमे में भी नामजद थे। पर गवाहों के बयान से मुकर जाने और कोई ठोस सबूत न होने पर अपर मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट तृतीय आलोक यादव ने राकेश को दोषमुक्त करार दिया है।

प्लॉट किसी उद्योगपति को दिए जाएंगे : मंत्री

उधर इस मामले पर राकेश सचान ने कहा है कि मै विभाग का मंत्री हूं। 2012 में मेरी दो संस्थाओं को प्लाट आवंटित हुए थे। मै प्लाटों के आवंटन कैंसल करवा दूंगा। आवंटन के समय वहां कोई सुविधा नहीं थी। अब भी वहां खेत हैं। जल्द ही वहां बिजली, सड़क, पानी की सुविधा देकर प्लाट को किसी उद्योगपति को दिए जाएंगे।

10 प्रतिशत रकम की रिकवरी होगी : जीएम अंजनीश कुमार

फतेहपुर जिला उद्योग केंद्र के जीएम अंजनीश कुमार सिंह ने कहा है कि जब प्लाट आवंटित हुए तब महाप्रबंधक एनके सिंह थे। प्लाट अभिनव सेवा संस्थान-रोकश सचान के नाम आवंटित है। 10 प्रतिशत रकम की रिकवरी की कार्रवाई की जा रही है।

महिला कल्याण मंत्री प्रतिभा शुक्ला के पति का शर्मनाक बयान, कहा

महिलाओं में आग लगाने की होती है टेंडेंसी

» बुलडोजर चलाने वालों को भोला-भाला बेगुनाह बताया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी सरकार में महिला कल्याण मंत्री प्रतिभा शुक्ला के पति अनिल शुक्ला वारसी का शर्मनाक बयान कानपुर कांड पर आया है। पूर्व सांसद वारसी ने कहा, महिलाओं की आग लगाने की टेंडेंसी होती है। वो जल्दी आग लगाने के लिए उत्सुक हो जाती हैं। उनका भी कोई मरने का इरादा नहीं था। वो चाहती थी कि हम ये करेंगे तो ये लोग भाग जाएंगे। लेकिन बड़ा हादसा हो गया।

मंत्री के पति यहीं नहीं थमे, उन्होंने आगे कहा कि बात आज की नहीं है, आगे भी इस तरह की घटनाएं होंगी। कोई गैर-कानूनी काम होता है और उस पर कोई मर जाता है तो क्या प्रशासन और कानून को इतना ज्यादा खत्म कर देना चाहिए कि वह सही डिसीजन नहीं ले पाए। अनिल कहा, भोले-भाले लोग जो अतिक्रमण हटाने के दौरान अपनी ड्यूटी का पालन कर रहे थे, उनको जेल भेजा जा रहा है। आरोपियों को मुआवजा मिल रहा। सच किसी को नहीं दिख रहा है। कानून चूल्हे भाड़ में गया गलत काम करने वाले को आप तेल पानी करने लगो।

अनिल ने ब्राह्मण महासभा के अध्यक्ष को चप्पल से पिटवाया था

पीड़ित परिवार की मदद करने के लिए कानपुर में मैं ब्राह्मण हूं महासभा चलाने वाले दुर्गेश मणि त्रिपाठी कानपुर देहात पहुंचे थे। उन्हें पता चला कि विधायक के पास जाने के बाद भी पीड़ित परिवार को मदद नहीं मिली थी। इस बात को लेकर उन्होंने क्षेत्रीय विधायक प्रतिभा शुक्ला और उनके पति अनिल शुक्ला वारसी का विरोध जताया था। इससे झल्लाए भाजपा नेताओं ने दुर्गेश पर चप्पल से हमला कराने के साथ मारपीट की थी।

मंत्री प्रतिभा शुक्ला बोलीं थीं- मेरा महिला कल्याण विभाग में होना बेकार है

कानपुर देहात में मां-बेटी के जिंदा जलने की घटना के बाद सोमवार देर रात को घटनास्थल पर राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला भी पहुंचीं थीं। तब उन्होंने कहा था, मैं इस क्षेत्र की विधायक हूं और यहां पर ऐसी घटना हो रही है। महिलाओं के साथ अत्याचार हुआ, ऐसे में मेरा महिला कल्याण विभाग में होना बेकार है। जब हम अपनी बेटी व एक मां को ही नहीं बचा पा रहे हैं। पहले घर से बाहर निकालते फिर घर गिराया जाता। जमीन तो यूं ही पड़ी है, आगे भी पड़ी रहेगी, कोई कहीं नहीं ले जा रहा है।

अरबपति जॉर्ज के बयान पर गरमाई सियासत

पूरा विश्व पीएम मोदी के नेतृत्व का लोहा मानता है: स्मृति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अमेरिका के अरबपति जॉर्ज सोरोस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गौतम अडानी के बीच गहरे संबंध बताए हैं और दोनों के भाग्य आपस में जुड़े हुए हैं। इस बीच बीजेपी नेता स्मृति ईरानी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पलटवार किया है। उन्होंने कहा, 'जॉर्ज सोरोस ने भारत के लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ स्टेटमेंट दिया है, जिसका काला इतिहास पूरी दुनिया जानती है। जिस वक्त पूरे विश्व के महत्वपूर्ण नेता भारत और प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकुशलता और नेतृत्व का लोहा मानते हैं और तारीफ कर रही है ऐसे समय सोरोस के बोलने का मतलब क्या है?'

'जॉर्ज सोरोस का यह ऐलान कि वो हिंदुस्तान में मोदी को झुका देंगे, हिंदुस्तान की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी सरकार को ध्वस्त करेंगे उसका मुंहतोड़ जवाब हर हिंदुस्तानी को देना चाहिए। आज जॉर्ज सोरोस को हम एकसुर में यह जवाब दें कि लोकतांत्रिक परिस्थितियों में लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार और हमारे प्रधानमंत्री ऐसे गलत इरादों के सामने सिर नहीं झुकाएंगे। भारत का बजट रक्षा प्रणाली के लिए बड़ा आबंटन है।

सबको साथ लेकर चलना होता है : रामगोपाल

» कहा-कुछ पार्टी वास्तव में इतनी शक्तिशाली होती हैं, जहां आदमी मुंह नहीं खोल सकता

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने कहा कि पार्टी में हर तरह के लोग होते हैं। कुछ टेढ़े मेढ़े होते हैं। सभी को साथ लेकर चलना पड़ता है। उनका यह बयान कई तरह के अर्थ लगाए जा रहे हैं। रामचरित मानस की चौपाई पर स्वामी प्रसाद के बयान को उनकी निजी बयान बताते हुए बीच का रास्ता निकाल रही है। दूसरी तरफ स्वामी प्रसाद मौर्य ने खुद की हत्या कराए जाने की आशंका जाहिर की है।

इटावा में राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो रामगोपाल यादव ने एक सवाल के जवाब में कहा कि कुछ पार्टी वास्तव में इतनी शक्तिशाली होती है, जहां आदमी मुंह नहीं खोल सकता। लेकिन, कुछ राजनीतिक पार्टियां भोले शंकर की बारात की तरह होती हैं, जहां कुछ अच्छे कुछ टेढ़े मेढ़े लोग होते हैं। सबको साथ लेकर चलना होता है। पता नही कौन कहां काम आ जाए। उनके इस बयान को बीच का रास्ता निकाल कर चलने के तौर पर देखा जा रहा है। दूसरी तरफ राष्ट्रीय सचिव एवं मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने कहा है कि पार्टी कार्यकर्ताओं एवं मीडिया पैनलिस्टों से सांप्रदायिक मुद्दों पर बहस से परहेज करने की सलाह दी गई है। कहा कि राजनीतिक चर्चा और बुनियादी सवालों पर ही अपना पूरा ध्यान रखना है। धार्मिक मुद्दा संवेदनशील मुद्दा है। हमें अनायास उससे संबंधित बहसों में नहीं उलझना चाहिए।

योगी धर्म से विकृति पैदा कर रहे हैं

सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव रामगोपाल यादव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हिंदू राष्ट्र पर दिए गए बयान पर कहा कि सीएम योगी के कहने पर हिंदू राष्ट्र नहीं होगा। जैसा पहले है वैसा रहेगा। सबको साथ लेकर चलना होगा। भारत हिंदू राष्ट्र न तो योगी की वजह से है। ना इनकी वजह से रहेगा, जैसा हमेशा रहा है, वैसा ही रहेगा। यह लोग धर्म से विकृति पैदा कर रहे हैं।

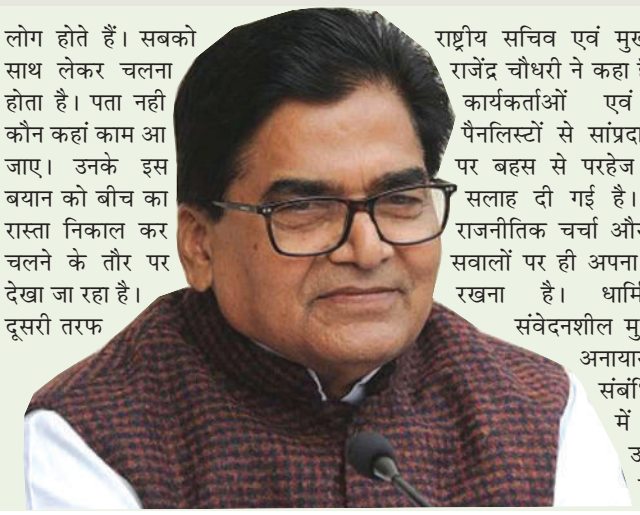

विधान भवन में एक साथ बैठेंगे अखिलेश-शिवपाल

लखनऊ। विधानसभा में अब नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव और शिवपाल सिंह यादव आस-पास बैठेंगे। शिवपाल की सीट बदलने के लिए मुख्य सचेतक डॉ. मनोज पांडेय ने विधानसभा अध्यक्ष को पत्र सौंप दिया है। विधानसभा में अभी तक नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के बगल में पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद बैठते थे। शिवपाल सिंह यादव की सीट दूसरी पंक्ति में विधायक रविदास मेहरोत्रा के बगल में थी। इसी पंक्ति में आजम खां को भी सीट अलॉट थी। अब आजम खां सदन के सदस्य नहीं हैं। ऐसे में उनकी सीट पर अवधेश प्रसाद बैठेंगे। अवधेश प्रसाद की सीट पर शिवपाल सिंह यादव बैठेंगे। मुख्य सचेतक डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि आजम खां की सीट अवधेश प्रसाद और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव के बगल वाली अवधेश प्रसाद की सीट को शिवपाल सिंह यादव को अलॉट करने संबंधी पत्र विधानसभा अध्यक्ष को भेज दिया गया है। मालूम हो कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शिवपाल सिंह यादव को राष्ट्रीय महासचिव बनाया है। वह सात फरवरी को शिवपाल सिंह यादव के आवास पर पहुंचे थे। दोनों के बीच करीब 45 मिनट बातचीत हुई थी।

राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने स्वामी प्रसाद के बयान को उनका निजी बयान बताते हुए पल्ला झाड़ा तो पार्टी के विधायकों में खेमेबंदी शुरू हो गई। विधायक तूफानी सरोज ने स्वामी प्रसाद का समर्थन किया तो डा. मनोज पांडेय, राकेश प्रताप सिंह ने खुले तौर पर विरोध जताया।

हिंदू राष्ट्र बनाना संभव ही नहीं: नीतीश कुमार

» मुख्यमंत्री ने क्लीयर किया अपना स्टैंड -ये गांधी का देश है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार में लोकसभा चुनाव को लेकर नीतीश ने भी सियासी मोहरे चलने शुरू कर दिए हैं। पटना में कर्पूरी ठाकुर की पुण्यतिथि के बाद नीतीश ने इसका इशारा भी दे दिया। नीतीश ने हिंदू राष्ट्र के सवाल पर तीखा हमला बोला और यहां तक कहा कि सच बोलने के लिए महात्मा गांधी की हत्या तक कर दी गई। लेकिन वो फिर भी महात्मा गांधी के बताए रास्ते पर ही चलेंगे। नीतीश के मुताबिक भारत को जो भी हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देख रहे हैं वो देश को तबाह करना चाहते हैं। लेकिन ऐसे लोग अपने मकसद में कभी सफल नहीं हो पाएंगे, क्योंकि ये गांधी का देश है।

नीतीश ने पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि ये पूरा देश भारत देश है। यहां विभिन्न धर्मों के लोग हैं। ये कोई मतलब है, इस देश के बारे में कोई कुछ बोलेगा, उसका वैल्यू है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को छोड़कर किसी के बारे में किसी की बात को सुनना नहीं चाहिए। अगर कोई करना चाहता है तो सब उल्टा-पुल्टा काम करना चाहता है। यदि कोई ऐसा करना चाहता है (भारत को हिंदू-राष्ट्र बनाना) तो इसका मतलब है कि वो देश को नष्ट करना चाहता है। देश को खत्म करना चाह रहा है? हमें केवल राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की कही बातों का पालन करना चाहिए। अंत में उनकी हत्या तक कर दी गई। हम गांधी जी के बताए रास्ते पर ही चल रहे हैं।

गौरतलब हो कि आजकल बागेश्वर धाम के कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री अपने मंच से लोगों से भारत को हिंदू राष्ट्र बनवाने की अपील करते रहते हैं। उनकी इस अपील का कोई समर्थन करता है तो कोई उनको कोसता है। भाजपा के कुछ नेता उनका खुलकर समर्थन कर रहे है। जबकि ओवैसी जैसे नेता ऐसी बातों को संविधान की धज्जी उड़ाने वाली बाते बता रहे हैं।

मैं सबकुछ तो नहीं कर सकती : ममता

» कहा-मोदी सरकार हिटलर और चाउसेस्कु की तरह कर रही काम

4पीएम न्यूज नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बीबीसी दफ्तरों में सर्वे के मामले पर केंद्र सरकार पर जमकर हमला किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सर्वे नहीं तानाशाही और बल्कि राजनीति बदला लिया जा रहा है। ममता बनर्जी ने बिना नाम लिए प्रधानमंत्री पर निशाना साधा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना हिटलर, चाउसेस्कु के साथ की। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, कि मेरे पास क्षमता है, लेकिन वो सीमित है। मैं चाहकर भी सबकुछ तो नहीं कर सकती। अब तो केवल न्यायपालिका ही इस देश को उनसे बचा सकती है।

ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि मैंने हाल ही में सुब्रमण्यम स्वामी का एक ट्वीट देखा था। उस ट्वीट में बहुत ही गंभीर बात कही गई थी। ममता बनर्जी ने कहा, मैं जनसेवक हूं मुझे काम करना चाहिए लेकिन मेरे भी हाथ बंधे हुए हैं। क्योंकि मैं संविधान के दायरे में हूं। जनता मेरी जिम्मेदारी है। लेकिन ऐसे लोगों की क्या जिम्मेदारी है? ऐसे लोगों की जिम्मेदारी सिर्फ तानाशाही है। ममता बनर्जी ने यह भी कहा कि वह (केंद्र) न्यायपालिका के खिलाफ भी बोलते हैं। इन लोगों ने न्यायपालिका को भी अपने कब्जे में कर रखा है। लेकिन हम चाहते हैं कि न्यायपालिका निरपेक्ष रहें। क्योंकि न्यायपालिका ही इस देश को फिलहाल इस देश को बचा सकते हैं। तानाशाही करना ही केंद्र की बीजेपी गवर्नमेंट का काम है। बीजेपी गवर्नमेंट यही कर रही है।

खुल गया बीजेपी का असली चेहरा

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कहा कि अगर आप किसी से बात करते हैं तो भी उसकी उस पर पहरेदारी चल रही है। आप जो कह रहे हैं वह मैं समझ सकती हूं। लेकिन मैं खुलेआम कह नहीं सकती। अब बीजेपी का मुखौटा खुल गया है। बीबीसी दफ्तरों में सर्वे से बीजेपी का मुखौटा खुल गया है। बीजेपी का दोहरा चरित्र सामने आ गया है। केंद्र सरकार प्रेस पर अपनी लगाम लगाना चाहती है। कुछ दिन बाद देश में एक भी मीडिया नहीं बचेगा। अगर आप कुछ सत्ता के खिलाफ लिखते हैं तो 24 घंटों के भीतर आपकी नौकरी जा सकती है।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

मैं भी कांग्रेस से सीएम पद का दावेदार : परमेश्वर

» पार्टी में कर्नाटक सीएम पद के 10 दावेदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तुमकुरु (कर्नाटक)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जी परमेश्वर ने स्वीकार किया कि अप्रैल-मई में होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद पार्टी के सत्ता में आने की स्थिति में वह सीएम पद के दावेदारों में शामिल हैं। पांच बार के विधायक परमेश्वर ने कहा कि पार्टी के चुनाव जीतने के बाद पार्टी आलाकमान अगले सीएम के बारे में फैसला करेगा और कहा कि मौका दिए जाने की स्थिति में वह तैयार हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार और विधायक दल के नेता सिद्धरमैया कांग्रेस के सत्ता में आने की स्थिति में पहले से ही मुख्यमंत्री पद की महत्वाकांक्षाएं पाले हुए हैं और अपनी आकांक्षाओं को लेकर काफी मुखर भी हैं।

कांग्रेस के सत्ता में आने पर एक दलित को मुख्यमंत्री बनाये जाने की संभावना के संबंध में एक सवाल पूछे जाने पर परमेश्वर ने कहा, हम किसी को जाति के आधार पर मुख्यमंत्री नहीं बनाते, उस समय की स्थिति में जो भी सक्षम होता है, जो भी पार्टी के अभियान और उसके सिद्धांतों को पूरा करने की क्षमता रखता है, उसके आधार पर मुख्यमंत्री चुना जाता है।

राम के बाद शिव पर राजनीतिक तांडव

महाराष्ट्र, से भगवान शिव तक को छीनना चाहती है भाजपा

» असम सरकार के छठे ज्योतिर्लिंग के दावे पर भड़की कांग्रेस, एनसीपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अभी रामचरित मानस विवाद थमा भी नही कि अब शिव को लेकर राजनीतिक गलियारे में नेताओं की भौंहे तन गई। सबसे बड़ी बात यह है कि इसबार विपक्ष की इसमें भूमिका नही हैं। ये विवाद बीजेपी व उसकी समर्थक पार्टी की सरकारों के बीच उत्पन्न हो गया। मामला महाराष्ट्र व असम के बीच है। विवाद की जड़ में है शिव के छठे ज्योतिर्लिंग भीमाशंकर। दरअसल असम ने एक विज्ञापन जारी किया है जिसमें उसने भीमाशंकर को असम के पहाड़ी पर स्थित बताया है और लोगों से शिवरात्रि में आने की अपील की है जबकि महाराष्ट्र के पुणे में भीमाशंकर पर तो श्रद्धालु वर्षों से जल चढ़ाते रहे हैं।

ज्ञात हो कि महाराष्ट्र में असम सरकार के एक विज्ञापन को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया। विज्ञापन में दावा किया गया है कि भारत का छठा ज्योतिर्लिंग पूर्वोत्तर राज्य में डाकिनी पहाड़ियों में कामरूप में स्थित है। असम सरकार ने मंगलवार को विज्ञापन जारी किया जिसमें मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की तस्वीर है, वो इसमें महा शिवरात्रि (18 फरवरी) की लोगों को बधाई दे रहे हैं और असम आने का न्योता दे रहे हैं। भारत के छठे ज्योतिर्लिंग में आपका स्वागत है, मीडिया विज्ञापन में ये बात कही गई है, जिसमें देश के सभी 12 ज्योतिर्लिंग के नाम दिए गए हैं, छठे ज्योतिर्लिंग के रूप में भीमाशंकर (डाकिनी) के रूप में दिखाया गया है, एक शिवलिंग, एक त्रिशूल और डमरू के साथ, हिंदू ग्रंथों के अनुसार, पूरे भारत में 12 ज्योतिर्लिंग हैं जिसमें से एक महाराष्ट्र के पुणे जिले के भीमाशंकर पहाड़ी के जंगलों में है, जहां हर साल लाखों श्रद्धालु जाते हैं। इन दावों पर विपक्षी महा विकास अघाड़ी (एमवीए) ने तुरंत असम और महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ बालासाहेबंची शिवसेना-भारतीय जनता पार्टी शासन पर हमला बोला। कांग्रेस के महासचिव सचिन सावंत ने हमला करते हुए कहा, उद्योगों को छोड़ दें, बीजेपी महाराष्ट्र से भगवान शिव तक को छीनना चाहती है,अब असम सरकार का दावा है कि भीमाशंकर का छठा ज्योतिर्लिंग असम में है, पुणे में नही, हम इस बेतुके दावे की कड़ी निंदा करते हैं।

अब महाराष्ट्र, के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक खजाने को लुटा रहे शिंदे गुट- बीजेपी सरकार : सुप्रिया सुले

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी की सांसद सुप्रिया सुले ने भी असम सरकार की आलोचना की और मांग की कि क्या बीजेपी ने अब अपने उद्योगों और नौकरियों के साथ महाराष्ट्र, के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक खजाने को भी देने का फैसला किया है, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से इस मामले पर तत्काल ध्यान देने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा, असम में बीजेपी सरकार जो कर रही है वह बिल्कुल अस्वीकार्य है और वह बिना किसी आधार के है। असम सरकार की आलोचना करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता किशोर तिवारी ने कहा कि यह तो शुरूआत है, बीजेपी अब महाराष्ट्र के अन्य महत्वपूर्ण देवी-देवताओं को अपने साथ ले जाएगी। नाराज तिवारी ने कहा, ज्योतिर्लिंग भगवान शिव का प्रतिनिधित्व करता है, कल, वे उनके पुत्र भगवान गणेश पर भी दावा ठोंक देंगे, जो महाराष्ट्र में सबसे अधिक पूजनीय हैं, जहां वार्षिक गणेशोत्सव उत्सव 130 साल पहले शुरू हुआ था।

पुणे में भीमाशंकर 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है

सुले ने श्रीमद आदि शंकराचार्य के बृहद रत्नाकर श्लोक को उद्धत करते हुए कहा कि डाकिनी के जंगलों में भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग भीमा नदी का स्रोत है, इसलिए पुणे में भीमाशंकर 12 ज्योतिर्लिंग मंदिरों में से एक है, कोई अन्य नहीं, सुले ने कहा, अब और किसकी गवाही देने की जरूरत है? बीजेपी शासित असम ने गुवाहाटी के पास परनोही में शिवलिंग को छठे ज्योतिर्लिंग के रूप में प्रचारित करना शुरू कर दिया है, यह बहुत ही शरारती और झूठा प्रचार है। सुले, तिवारी और सावंत ने शिंदे-फडणवीस सरकार से अपना रुख साफ करने को कहा, साथ ही ये भी कहा कि असम की बीजेपी सरकार की ईशनिंदा की आलोचना करें जिसने न केवल हिंदुओं, बल्कि महाराष्ट्र के 12 करोड़ लोगों की धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाई है।

सावंत गुमराह कांग्रेसी : रामकदम

सावंत पर पलटवार करते हुए बीजेपी प्रवक्ता राम कदम ने केंद्र के पर्यटन विभाग की दिसंबर 2021 की एक प्रेस रिलीज दिखाई। इसमें सभी ज्योतिर्लिंगों और भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग का भी उल्लेख किया गया है। सावंत को गुमराह कांग्रेसी करार देते हुए बीजेपी नेता ने कहा कि सरकार की तरफ से सब कुछ साफ है, सावंत ने राम कदम से पहले मुद्दे को समझने और फिर बात करने को कहा, यह इंगित करते हुए कि उनकी चिंता 14 फरवरी के असम सरकार के विज्ञापन से संबंधित है जिसमें उल्लेख किया गया है कि छठा ज्योतिर्लिंग महाराष्ट्र में नहीं बल्कि असम में है। सावंत ने कदम पर कटाक्ष करते हुए कहा, यहां तक कि नाम भी बदल दिया गया है, इसने आपको परेशान नहीं किया? हमेशा की तरह आपको मुद्दा समझ में नहीं आया।

उस्मानाबाद को धाराशिव नाम देने पर कोई आपत्ति नहीं

महाराष्ट्र में भी अब शहरों के नाम बदलने की चर्चा शुरू हो गई है। उस्मानाबाद का नाम धाराशिव रखने में कोई हर्ज नहीं है। हालांकि, केंद्र सरकार ने बताया है कि औरंगाबाद का नामकरण सांबाजीनगर करने की प्रक्रिया अभी विचाराधीन है। नाम बदलने के मुद्दे पर केंद्र सरकार ने बॉम्बे हाईकोर्ट में जानकारी दी है। बॉम्बे हाई कोर्ट ने नाम रखने के राज्य सरकार के फैसले को चुनौती दी है। जुलाई 2022 में औरंगाबाद का नाम बदलकर छत्रपति संभाजीनगर और उस्मानाबाद का नाम धाराशिव करने के राज्य सरकार के फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है, यह याचिका मोहम्मद अहमद, अन्नासाहेब खंडारे और राजेश मोरे नाम के तीन लोगों ने दायर की है। इससे पहले औरंगाबाद और उस्मानाबाद का नाम बदलने की कोशिश की गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे की महा विकास अघाड़ी सरकार ने अवैध रूप से राजनीतिक लाभ के लिए अपने मंत्रिमंडल की अंतिम बैठकों में इन दोनों शहरों के नाम का प्रस्ताव पेश किया। फिर 16 जुलाई 2022 को मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में सरकार ने इस नामकरण पर मुहर लगा दी। लेकिन राज्य सरकार का यह फैसला संविधान के प्रासंगिक प्रावधानों का उल्लंघन है। साथ ही याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि यह फैसला दो समुदायों के बीच दरार पैदा करने की कोशिश है।

डिप्टी स्पीकर की बाट जो रहा है लोकसभा

» 5 विधानसभा में भी दो साल से खाली पड़े हैं पद

» जल्दी हो डिप्टी स्पीकर का चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। लोकसभा और 5 विधानसभाओं में डिप्टी स्पीकर नहीं हैं। इसको लेकर कोर्ट ने सरकार को नोटिस भी थमाई है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और पांच राज्यों राजस्थान, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और झारखंड को डिप्टी स्पीकर का चुनाव करने में विफल रहने पर नोटिस जारी किया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली एक बेंच ने एक जनहित याचिका पर जवाब मांगा है। याचिका में कहा गया है कि लोकसभा के अलावा राजस्थान, उत्तरप्रदेश, उत्तराखंड, मध्यप्रदेश और झारखंड विधानसभाओं में नियमों के मुताबिक डिप्टी स्पीकर के पद पर चुनाव नहीं कराए गए हैं।

यानी वहां संविधान में वर्णित डिप्टी स्पीकर का संवैधानिक पद भरा ही नहीं गया है। याचिका में कहा गया है कि पांच राज्य विधानसभाओं में भी यह पद खाली पड़ा है। याचिकाकर्ता का नेतृत्व कर रही मखीजा ने कहा कि लोकसभा तथा राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड और मणिपुर की विधानसभाओं में अभी डिप्टी स्पीकर नहीं हैं। पीठ ने कहा, ''यह बहुत महत्वपूर्ण मुद्दा है। अटॉर्नी जनरल को इस विषय में हमारी सहायता करने दें।'' साथ ही, न्यायालय ने जनहित याचिका की सुनवाई दो हफ्ते बाद के लिए निर्धारित कर दी।

अनुच्छेद 93 और 178 के अनुसार ये जितनी जल्दी हो सके कराए जाने चाहिए। लेकिन कोई विशिष्ट समय सीमा निर्धारित नहीं की गई हैं। सामान्य तौर पर, लोकसभा और राज्य विधानसभाओं दोनों में नए सदन के (अधिकतर संक्षिप्त) पहले सत्र के दौरान अध्यक्ष का चुनाव करने की प्रथा रही है। आम तौर पर पहले दो दिनों में शपथ ग्रहण और प्रतिज्ञान के बाद तीसरे दिन। डिप्टी स्पीकर का चुनाव आमतौर पर दूसरे सत्र में होता है। लोकसभा के प्रक्रिया और कार्य संचालन नियम के नियम 8 में कहा गया है कि डिप्टी स्पीकर का चुनाव उस तारीख को होगा जो स्पीकर तय कर सकते हैं। एक बार सदन में उनके नाम का प्रस्ताव पेश करने के बाद डिप्टी स्पीकर का चुनाव किया जाता है। एक बार चुने जाने के बाद, डिप्टी स्पीकर आमतौर पर सदन की पूरी अवधि के लिए पद पर बने रहते हैं। अनुच्छेद 94 (राज्य विधानसभाओं के लिए अनुच्छेद 179) के तहत, अध्यक्ष या उपाध्यक्ष सदन के सदस्य नहीं रहने पर अपना कार्यालय खाली कर देंगे । वे एक-दूसरे को इस्तीफा भी दे सकते हैं, या सदन के सभी तत्कालीन सदस्यों के बहुमत से पारित लोक सभा के एक प्रस्ताव द्वारा ... कार्यालय से हटाया जा सकता है। 19 मई 1941 को एचवी कामथ ने संविधान सभा में तर्क दिया कि यदि अध्यक्ष इस्तीफा देता है, तो ये बेहतर होगा कि वह अपना इस्तीफा राष्ट्रपति को संबोधित करे, न कि उपसभापति को। उन्होंने इसके पीछे वजह बताते हुए कहा कि उपाध्यक्ष का पद उनके अधीनस्थ होता है। डॉ बीआर अम्बेडकर इस तर्क से असहमत थे और उन्होंने कहा कि एक व्यक्ति सामान्य रूप से उस व्यक्ति को अपना इस्तीफा देता है जिसने उसे नियुक्त किया है। ज्अध्यक्ष और उपाध्यक्षज् सदन द्वारा नियुक्त या चुने या चुने जाते हैं। नतीजतन, इन दो लोगों को, अगर वे इस्तीफा देना चाहते हैं, तो उन्हें अपना इस्तीफा सदन को देना होगा जो नियुक्ति प्राधिकारी है।

डिप्टी स्पीकर के बारे में संविधान का मत

संविधान का अनुच्छेद 93 लोकसभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर दोनों के चुनाव का प्रावधान करता है। अनुच्छेद 178 में किसी राज्य की विधानसभा के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पदों से संबंधित प्रावधान शामिल हैं। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं दोनों में नए सदन के पहले सत्र के दौरान स्पीकर का चुनाव करने की प्रथा रही है, आमतौर पर तीसरे दिन शपथ लेने और पहले दो दिनों में प्रतिज्ञान होने के बाद। भारत सरकार अधिनियम, 1919 (मोंटेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार) के प्रावधानों के तहत 1921 में स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पदों की शुरुआत भारत में हुई थी। अनुच्छेद 93 के अनुसार लोगों का सदन यानी लोकसभा दो सदस्यों को क्रमशः स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के रूप में चुनेगी। इसके अलावा, अनुच्छेद 178 में कहा गया है,फकिसी राज्य की प्रत्येक विधान सभा के दो सदस्यों को क्रमशः स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के रूप में चुनेगी।

अध्यक्ष की शक्तियां उपाध्यक्ष तक विस्तारित

अनुच्छेद 95(1) कहता है जबकि अध्यक्ष का कार्यालय रिक्त है, कार्यालय के कर्तव्यों का पालन उपाध्यक्ष द्वारा किया जाएगा। सामान्य तौर पर, सदन की बैठक की अध्यक्षता करते समय उपाध्यक्ष के पास अध्यक्ष के समान शक्तियां होती हैं। नियमों में अध्यक्ष के सभी संदर्भों को उप सभापति के संदर्भ में समझा जाता है जब वह अध्यक्षता करता है।

वर्तमान रिक्ति पर केंद्र सरकार का नजरिया

ट्रेजरी बेंच ने कहा है कि डिप्टी स्पीकर के लिए तत्काल आवश्यकता नहीं है क्योंकि सदन में सामान्य रूप से बिल पारित किए जा रहे हैं और चर्चा हो रही है। एक मंत्री ने तर्क दिया कि वरिष्ठ, अनुभवी और विभिन्न दलों से चुने गए नौ सदस्यों का एक पैनल है जो अध्यक्ष के रूप में सदन चलाने में अध्यक्ष की सहायता के लिए कार्य कर सकते हैं। नौ के इस पैनल में रमा देवी, किरीट पी सोलंकी, और भाजपा के राजेंद्र अग्रवाल, कांग्रेस के कोडिकुन्निल सुरेश, डीएमके के राजा, पी वी मिथुन रेड्डी (वाईएसआरसीपी), भर्तृहरि महताब (बीजद), एन के प्रेमचंद्रन (आरएसपी) और टीएमसी के काकोली घोष दस्तीदार शामिल हैं। विपक्ष को डिप्टी स्पीकर के पद की पेशकश करने की सामान्य प्रथा रही है। चरणजीत सिंह अटवाल (अकाली दल, तब एनडीए का एक घटक) 2004-09 के दौरान डिप्टी स्पीकर थे जब यूपीए-द्व सत्ता में था। 2009-14 यानी यूपीए-2 के शासनकाल में बीजेपी के करिया मुंडा इस पद पर थे। पहली नरेंद्र मोदी सरकार (2014-19) के दौरान एम थंबीदुरई (एआईएडीएमके) डिप्टी स्पीकर थे।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बोर्ड परीक्षार्थियों का भविष्य उज्जवल हो

यूपी बोर्ड की परीक्षाएं आज से शुरू हो गई। प्रदेश के लगभग 58 लाख परीक्षार्थी इसमें भाग ले रहे हैं। पूरे राज्य के विद्यालयों में छात्रों की भीड़ पूरे जोशोखरोश के साथ परीक्षा देने पहुंची। कई बच्चे जो पहली बार बोर्ड में बैठ रहे है वो ज्यादा उमंग में दिखे। कुछ छात्रों ने उम्मीद जताई कि जब उनका परीक्षा फल आएगा तो वह टॉप करेंगे। छात्र नकल रोकने के सरकार की योजना का स्वागत करते भी दिखे पर कुछ से इसे गलत भी बताया। ज्ञात हो कि इस साल सरकार ने नकल रोकने के लिए एनएसए के तहत कार्रवाई का आदेश दिया है। अगर कोई नकल कराने या करते हुए पकड़ा जाता है तो बिना आरोप तय किए हुए उसे तीन महीने तक हिरासत में रखा जा सकता है। आखिर सरकार इतनी सख्ती क्यों कर रही है। ये सख्ती उचित भी नहीं है।

वहीं, परीक्षा में बाधा डालने या व्यवस्था को प्रभावित करने वालों पर गैंगस्टर एक्ट लगाकर उनकी संपत्ति कुर्क किए जाने की भी बात कही गई है। 58 लाख से ज्यादा छात्रों लिए लगभग पौने नौ हजार परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। सभी केंद्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जिनसे एग्जाम की लाइव मॉनिटरिंग होगी। राज्य में जिस तरह से नकल माफिया की खबरें आती रही हैं, उन्हें देखते हुए ये इंतजाम सही हैं। इनके साथ परीक्षाओं में नकल रोकने के जो भी उपाय किए जा सकते हैं, किए जाने चाहिए। मगर नकल करने वाले छात्रों पर एनएसए के तहत कार्रवाई को ठीक नहीं माना जा सकता। इस मामले में पहला सवाल तो यही बनता है कि जिस तरह की शिक्षा छात्रों को मिलनी चाहिए, क्या वह उन्हें दी जा रही है? क्या स्कूलों में जितने शिक्षक होने चाहिए, उतने हैं? छात्रों और शिक्षकों का अनुपात क्या है? सरकारी स्कूलों की खराब स्थिति किसी से छुपी हुई नहीं है। उत्तर प्रदेश में तकरीबन सवा दो लाख शिक्षकों की कमी है। नकल विरोधी नियम-कानून पहले से ही मौजूद हैं, जिनके तहत दोषी छात्रों को सजा दी जा सकती है। अगर छात्रों को नकल करने पर जेल भेजा जाएगा तो उनके अपराध के रास्ते पर आगे बढ़ने का डर भी पैदा होगा। एक सवाल यह भी है कि क्या इन छात्रों के नाम आपराधिक रेकॉर्ड में भी डाले जाएंगे? अगर ऐसा है तो उनका भविष्य अंधकारमय हो सकता है। उत्तराखंड सरकार ने प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए बेहद सख्त नकल विरोधी कानून पास किया था। इसके तहत सरकार ने नकल करने-कराने वालों पर भारी जुर्माने और 10 साल से लेकर आजीवन कारावास तक का प्रावधान किया था। मगर हाईस्कूल, इंटरमीडिएट और यूनिवर्सिटी लेवल के परीक्षार्थियों को इससे अलग रखा गया। इसकी वजह प्रदेश सरकार की यह चिंता थी कि छात्रों को इतनी सख्त सजा नहीं दी जानी चाहिए।

उत्तर प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था में मौजूदा खामियों को दूर करे। वह शिक्षा पर खर्च बढ़ाए। खासतौर पर सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर बेहतर करे क्योंकि आबादी का बड़ा हिस्सा निजी स्कूलों का खर्च उठाने की क्षमता नहीं रखता। जब तक शिक्षा व्यवस्था की कमियों को दूर नहीं किया जाता, तब तक सख्त नकल कानून बनाने से कुछ हासिल नहीं होगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नेपाल में फिर मचल रहे हिंदू राष्ट्र के अरमान

पुष्परंजन

किसी जमाने में नेपाल के राजा को विष्णु का अवतार माना जाता था। चौदह साल पहले राजतंत्र समाप्त हुआ तो लोग उस अवतार को भी भूल-भाल गये थे। अब उस अवतार की वापसी के प्रयास होने लगे हैं। पूर्व नरेश ज्ञानेंद्र वीर विक्रम शाह ने पूर्वी नेपाल के झापा जिला स्थित काकड़भिटा में एक मेगा कैंपेन को हरी झंडी दिखाई, जिसमें राजतंत्र की वापसी प्रच्छन्न एजेंडा है। प्रत्यक्ष रूप से पब्लिक को यह बताया जा रहा है कि यह देश फिर से हिंदू राष्ट्र होना चाहिए। धर्म, राष्ट्र, राष्ट्रवाद के प्रति नेपाल की जनता समर्पित हो, तभी नेपाल की रक्षा हो सकेगी।

दिलचस्प है कि राजा का यह बाजा, उनकी मदद से बज रहा है, जो नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) की सेंट्रल कमेटी में हैं। नाम है उनका दुर्गा प्रसाद प्रसाई। एमाले के सर्वोच्च नेता व पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के करीबी दुर्गा प्रसाद प्रसाई, झापा स्थित बिर्तामोड़ में 'पूर्वांचल कैंसर हॉस्पिटल व मेडिकल कॉलेज' के मालिक भी हैं। विगत दिनों यूएई के प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन रशीद अल मकतूम ने दुर्गा प्रसाद प्रसाई को भारी मात्रा में सोना भेंट किया था। प्राइवेट विमान द्वारा सोना लाने वाले विवाद में प्रसाई का नाम सुर्ख हुआ था। नेपाली कस्टम कार्यालय ने इसकी जांच में लगभग लीपापोती की है। दुर्गा प्रसाद प्रसाई दुबई में भी मेडिकल कॉलेज खोलेंगे, एक समझौते पर हस्ताक्षर के बाद उन्होंने पत्रकारों को जानकारी दी थी। नेपाल हिंदू राष्ट्र क्या संयुक्त अरब अमीरात के प्रिंस शेख हमदान बिन मोहम्मद बिन रशीद अल मकतूम की मदद से बनेगा, या नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले) द्वारा कंधा लगाने से? यह सवाल पूछना तो बनता है। दुर्गा प्रसाद प्रसाई ने कहा था कि नेपाल के मौजूदा माहौल से दम घुटने लगा है। इस वजह से एक करोड़ नेपाली युवा खाड़ी देशों में चले गये। पिछले 14 वर्षों से पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र अज्ञातवास झेल रहे हैं। उनकी नये सिरे से वापसी के लिए प्रचंड की सत्ता में साझीदार राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (राप्रपा) ने पूरी ताकत झोंक दी है। राप्रपा के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद लिंगदेन नेपाल के उपप्रधानमंत्री तथा ऊर्जा व जलस्रोत मंत्री भी हैं।

उनके अलावा दो कैबिनेट व राज्यमंत्री के पद मिलने से सरकार में राप्रपा की बढ़ रही ताकत का अंदाजा लगाया जा सकता है। गत 11 जनवरी, 2023 से पृथ्वी नारायण शाह की जयंती को राष्ट्रीय छुट्टी घोषित हो, यह मांग भी पूरी हो गई। पंद्रह साल बाद पृथ्वी जयंती को सार्वजनिक अवकाश घोषित कर देने से राजावादी गदगद हैं। लेकिन प्रचंड ने अपना कार्ड खेला है। उन्होंने कहा कि जनयुद्ध दिवस अब केवल माओवादियों

का नहीं, संपूर्ण नेपाल की सार्वजनिक संपत्ति है। इसकी ऐतिहासिकता को याद रखें, और समारोहपूर्वक मनायें। नेपाल में सरकार के सौ दिन पूरे भी नहीं हुए, मगर दिवस-दिवस खेला जा रहा है। हिंदू राष्ट्र के हवाले से सबसे मजेदार भूमिका कम्युनिस्ट नेता केपी शर्मा ओली की दिखती है। ये वही कम्युनिस्ट नेता ओली हैं, जिन्होंने जुलाई, 2020 में राम की जन्मस्थली नेपाल के चितवन जिले के माडी में होने का दावा किया था। वहां राम मंदिर संपूर्ण होने की बाट जोह रहा है। 2006 से 2009 के बीच नेपाली सेना के प्रमुख रह चुके जनरल रूकमांगद कटवाल ने अगस्त 2021 में एक संगठन की बाकायदा घोषणा कर दी। नाम है, 'हिंदू राष्ट्र स्वाभिमान जागरण अभियान।' इसके गठन के प्रकारांतर नेपाल के तनहूं जिले में देवघाट के तीर पर संतन की भीड़ हुई, जिसमें 20 हिंदू संगठनों के प्रतिनिधियों ने सड़क पर संघर्ष का संकल्प किया था। विगत दो वर्षों से जो कुछ शांत था, उसमें घी डालने के प्रयोजन के पीछे 2024 में भारत में होने वाला आम चुनाव तो नहीं? असल में 1751 किलोमीटर लंबी भारत-नेपाल सीमा की जद में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, बिहार, बंगाल व सिक्किम जैसे पांच राज्य आते हैं। नेपाल की भू-सामरिक परिस्थितियां दोनों देशों के मतदाताओं को प्रभावित करती हैं, इसे हमें अवश्य ध्यान में रखना चाहिए। साल 2006 में लोकसभा सदस्य रहते हुए योगी आदित्यनाथ ने एक किताब लिखी थी, 'हिन्दू राष्ट्र नेपाल अतीत व वर्तमान।' 51 पेज की इस बुकलेट में कई सारी तस्वीरों के साथ चौथी शताब्दी में समुद्रगुप्त से आरंभ नेपाल का संक्षिप्त इतिहास, उस देश में हिंदू धर्म का अवदान, और सामाजिक-सांस्कृतिक संरचना की चर्चा है। इस पुस्तक की प्रस्तावना गोरक्षपीठाधीश्वर महंत अवैद्यनाथ ने लिखी थी। उपसंहार में लेखक योगी आदित्यनाथ का निष्कर्ष था कि संप्रभुता संपन्न हिंदू राष्ट्र नेपाल में शाहवंशी राजवंश की नींव 250 वर्ष पुरानी है। 'जय देश-जय नरेश' के नारे के साथ यह देश, राजा-प्रजा में परस्पर आस्था और विश्वास के साथ चला आ रहा है।

योगी आदित्यनाथ तब सांसद थे, आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। जो कुछ बतौर लेखक उन्होंने माओवादियों के बारे में लिखा, क्या उस पर आज भी कायम हैं? दूसरा, क्या एक सांसद भारत सरकार से नेपाल के अंदरूनी मामले में दखल देने को कह सकता है? ये दो सवाल आज के संदर्भ में महत्वपूर्ण हैं। कालचक्र देखिये, उस पुस्तक में जिस शेर बहादुर देउबा की जमकर भर्त्सना की थी, उसी प्रधानमंत्री देउबा का स्वागत 3 अप्रैल, 2022 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एयरपोर्ट से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर तक कर रहे थे।

खुल जा सिम-सिम और बैंक खाते साफ

ऋषभ मिश्रा

आज के डिजिटल युग में देश की ज्यादातर आबादी इंटरनेट और स्मार्टफोन का इस्तेमाल करती है और लेन-देन के लिए यूपीआई सबसे पसंदीदा तरीका बन चुका है। ज्यादातर लोग अपनी सहूलियत के लिए दो या दो से ज्यादा नंबर भी रखते हैं और अपने फोन में ड्यूल सिम यानी दो सिम का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन ड्यूल सिम के इस दौर में दूसरे नंबर को रिचार्ज कराना लोग अक्सर भूल जाते हैं और यही एक गलत आदत साइबर लुटेरों के लिए किसी वरदान से कम नहीं साबित होती है। इस छोटी-सी लापरवाही की वजह से लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई से हाथ धो बैठते हैं। पिछले कुछ वक्त से देश में कई मामले सामने आये हैं जहां लोगों ने अपने दूसरे सिम को रिचार्ज कराना बंद कर दिया और बाद में ये सिम किसी साइबर ठग के हाथ लग गयी और ठगों ने पीड़ितों का पूरा खाता खाली कर दिया।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भी पिछले महीने ऐसे कुछ मामले सामने आये थे। जहां साइबर ठगों ने बंद पड़े सिम कार्ड को दोबारा से इश्यू कराकर लाखों की ठगी को अंजाम दिया। लखनऊ पुलिस के अनुसार पकड़ा गया आरोपी फर्जी केवाईसी के जरिये बंद पड़े सिम को खरीद कर ठगी को अंजाम दे रहा था। दरअसल, ये साइबर अपराधी सबसे पहले फर्जी आईडी से बंद पड़ी सिम को खरीदते हैं। कई मामलों में तो इनकी सिम विक्रेताओं से सांठ-गांठ तक होती है। साइबर लुटेरों की कोशिश होती है कि ये पुरानी डिजिट के नंबर ही खरीदें क्योंकि ज्यादातर लोगों का ये पुराना नंबर ही उनके बैंक अकाउंट और ईमेल आईडी के साथ जुड़ा रहता है। लापरवाही या फिर जानकारी न होने की वजह से वो इसे बदलते भी नहीं हैं। एक बार सिम मिलने के बाद ये अपराधी इन सिम में आपके भीम, यूपीआई, पेटीएम, फोनपे या फिर गूगलपे जैसे किसी ऐप को लॉगिन करते हैं।

लॉगिन करने के बाद इन्हें इस ऐप के साथ अटैच या आपका जुड़ा हुआ बैंक अकाउंट नंबर और ईमेल आईडी भी मिल जाती है। हालांकि ये अपराधी यूपीआई से पैसा ट्रांसफर नहीं करते हैं क्योंकि यूपीआई से एक दिन में मात्र एक लाख रुपये तक का ही लेनदेन हो सकता है। आपके बैंक अकाउंट की डिटेल लेने के बाद ये ठग बैंक की 'इंटरनेट बैंकिंग' वेबसाइट पर जाते हैं और वहां पहले 'फॉरगेट यूजर आईडी' यानी जो यूजर आईडी भूल गए हैं उस विकल्प पर क्लिक करते हैं और बैंक की वेबसाइट इनसे अकाउंट नंबर, ईमेल और रजिस्टर्ड फोन नंबर एंटर या फिर डालने के लिए कहती है। जिसे एंटर करने के बाद आपके ही बंद पड़े सिम पर जो कि बैंक के साथ रजिस्टर है और अब साइबर ठग के पास मौजूद है उस पर एक ओटीपी आता है। ओटीपी एंटर करते ही अपराधी को इंटरनेट बैंकिंग की यूजर आईडी पता चल जाती है। ठीक इसी प्रक्रिया अथवा प्रोसेस के जरिये ये ठग 'फॉरगेट पासवर्ड' विकल्प का भी इस्तेमाल करते हैं और अपना नया पासवर्ड जनरेट या फिर बना लेते हैं। बस इसके बाद ये साइबर लुटेरे इंटरनेट बैंकिंग के जरिये आपके अकाउंट को खोलते हैं और फिर पूरा अकाउंट साफ हो जाता है। यहां पर गौर करने वाली बात ये है कि आपको पता भी नहीं चलता क्योंकि आप अपना वो नंबर पहले ही बंद कर चुके होते हैं। आपके पास बैंक ट्रांजेक्शन से जुड़ा कोई मैसेज आने का सवाल ही पैदा नहीं होता है।

दरअसल, साइबर लुटेरे ट्राई यानी टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के नए नियमों का फायदा उठा रहे हैं। पिछले वर्ष 2022 में ट्राई ने नयी गाइडलाइन जारी की थी। जिसके मुताबिक जो टेलीकॉम कंपनियां सिम खरीदने पर लाइफटाइम वैलिडिटी दे रही थीं उसे बंद कर दिया गया है। अब नए नियमों के मुताबिक अगर यूजर को अपना नंबर चालू रखना है तो उसे हर महीने अपना सिम रिचार्ज कराना होगा या फिर तीन महीने या छह महीने का पैकेज लेना होगा। अगर वो ऐसा नहीं करते हैं तो तीन महीने बाद ये नंबर अपने आप बंद हो जाएगा। फिर टेलीकॉम कंपनी उस सिम को किसी दूसरे व्यक्ति को इश्यू कर देगी। लेकिन ट्राई का यही नियम अब साइबर ठगों के लिए पैसा लूटने का एक नया अड्डा बन गया है। इसी तरीके का इस्तेमाल कर साइबर ठगों ने दिल्ली के एक व्यापारी के बैंक खाते से एक-दो नहीं बल्कि 75 लाख रुपये उड़ा दिए और पांच महीने बीत जाने के बाद भी उन्हें एक रुपये तक वापस नहीं मिला है।

दरअसल, अधिकांशत: लोग अपना ओटीपी दूसरों को शेयर करने की गलती कर बैठते हैं या फिर कोई अनऑथराइज्ड ट्रांजेक्शन कर बैठते हैं। जब ऐसे किसी केस की आरबीआई जांच करता है और यदि उसे लगता है कि ये गलत ट्रांजेक्शन व्यक्ति विशेष की गलती के कारण हुआ है तब ऐसे केस में आरबीआई क्लेम को रिजेक्ट कर देता है। साइबर एक्सपर्ट बताते हैं आज आपका सिम और फोन भी आपके किसी एसेट यानी कि आपकी एक संपत्ति से कम नहीं है। ऐसे में उसका ध्यान रखना बेहद जरूरी है। अगर आप नहीं चाहते कि कोई साइबर अपराधी आपका बैंक खाता सिर्फ इस वजह से खाली कर दे कि आप अपने दूसरे सिम को रिचार्ज कराना भूल गए हैं तो अब आपको सतर्क हो जाना चाहिए और हर महीने अपने सिम कार्ड की वैलिडिटी यानी सिम की वैधता की जांच करते रहना चाहिए। दरअसल, देश में डिजिटल क्रांति के साथ साइबर लुटेरों का भी 'गोल्डन पीरियड' शुरू हो चुका है। इन लुटेरों की गिद्ध जैसी नजर हर वक्त आपकी गाढ़ी कमाई पर रहती है।

महाशिवरात्रि पर रखें व्रत

महाशिवरात्रि एक ऐसा त्योहार है, जिस दिन हर कोई भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए पूजा-अर्चना करता है। ऐसी मान्यता है कि, महाशिवरात्रि के दिन ही माता पार्वती और भगवान शिव का विवाह हुआ था। तब से महाशिवरात्रि का त्योहार काफी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन लोग महाकाल को प्रसन्न करने के लिए व्रत भी रखते हैं। व्रत करते समय कई तरह के नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। ऐसा कहा जाता है कि जितनी जल्दी भगवान शंकर खुश होते हैं, उनका गुस्सा भी काफी भयानक हैं। इससे बचने के लिए आपको व्रत में सभी नियमों का पालन करना बेहद जरूरी होता है। व्रत रखते समय सबसे जरूरी बात होती है कि इस दिन आप अन्न नहीं खा सकते।

पूजा की सामग्री और विधि

अगर इस दिन आप मंदिर में जाकर पूजा-अर्चना करना चाहते हैं तो इसके लिए कई तैयियां करनी होती हैं। जैसे शिव लिंग के अभिषेक के लिए दूध या पानी, कुछ बूंदे शहद एक साथ मिलाएं। अभिषेक के बाद शिवलिंग पर सिंदूर लगाएं। बाद में धूप और दीपक जलाएं। बेल और पान के पत्ते चढ़ाएं। आखिर में अनाज और फल चढ़ाएं। पूजा संपन्न होने तक 'ओम नमः शिवाय का जाप करते रहें।

महाशिवरात्रि पर भोले बाबा की होती है विशेष कृपा

महाशिवरात्रि का महापर्व इस बार ऐसे योग में मनाया जाएगा जो कि बहुत ही दुर्लभ माना जा रहा है। महाशिवरात्रि इस बार 18 फरवरी को मनाई जाएगी और इस दिन साल का पहला शनि प्रदोष व्रत भी है। महाशिवरात्रि पर त्रयोदशी तिथि का होना सबसे दुर्लभ योग माना जा रहा है। इस दिन शनिवार होने की वजह से यह साल का पहला शनि प्रदोष व्रत है। ज्योतिष विशेषज्ञों का मानना है कि शनि प्रदोष और महाशिवरात्रि का एक ही दिन होना 5 राशियों के जातकों के लिए बेहद शुभ माना जा रहा है। इस महाशिवरात्रि इन राशियों पर भोले बाबा की विशेष कृपा रहेगी और उनको करियर व धन संबंधी मामलों में बहुत लाभ होगा। जहां शनि प्रदोष में पूजा करने पर शनिदोष दूर होगा तो वहीं भोले बाबा की कृपा से आपके सभी कष्ट दूर होंगे और धन, समृद्धि, वैभव और ऐश्वर्य की प्राप्ति होगी। ज्योतिष में बताया गया है कि इस शुभ योग के होने से मेष, वृषभ, तुला, धनु और कुंभ राशिपर भोले बाबा की विशेष कृपा बरसेगी।

व्रत में इनका करें सेवन

फल-अगर आप शिवरात्रि पर व्रत रखने का सोच रहे हैं, तो खाने का खास ध्यान रखें। व्रत के दौरान आप फल खा सकते हैं। इससे आपकी ऊर्जा भी बनी रहेगी और साथ में पेट भी भरा रहेगा। व्रत में केला, संतरा, सेब, लीची, अनार खाए जा सकते हैं।

ठंडाई-ऐसा कहा जाता है कि व्रत के दौरान पेय पदार्थों को सेवन करना ज्यादा लाभदायक होता है। इसलिए आप शिवरात्रि के व्रत में ठंडाई का सेवन कर सकते हैं। इससे आपका पेट भी भर जाएगा और ये हेल्दी भी रहेगा। व्रत में आप सादा दूध न पीकर उसमें ड्राई फ्रूट्स, केसर, इलायची आदि वाला दूध पी सकते हैं।

सात्विक भोजन- व्रत में हमेशा सात्विक भोजन ही करना चाहिए। व्रत में आप आलू, कद्दू, अरबी और लौकी जैसी सब्जियों का सेवन कर सकते हैं। इसके साथ ही सिंघाड़े या कुट्टू के आटे की पूड़ी खा सकते हैं।

तले-भुने खाने से रहें दूर

अगर आप व्रत रख रहे हैं तो तले-भुने खाने से दूर रहना चाहिए। उपवास में तला भुना खाने से पेट दर्द, गैस और अपच की समस्या हो जाती है।

ना करें लहसुन-प्याज का सेवन

भले ही आप शिवरात्रि के दिन व्रत ना रखें, पर इस दिन लहसुन-प्याज का सेवन भी ना करें। ऐसा माना जाता है कि पवित्र दिनों में प्याज-लहसुन का सेवन नहीं करना चाहिए।

ना खाएं सफेद नमक

कहा जाता है कि सफेद नमक में कई तरह के केमिकल होते हैं। ऐसे में व्रत के दिन आप सेंधा नमक खा सकते हैं।

हंसना मना है

पतलू- भाई कहां जा रहे हो? मोटू- यार, सुना है सोने में भारी गिरावट आई है, तो सोने जा रहा हूं, पतलू- तुझसे ऐसा किसने कहा? मोटू- अरे कल ही न्यूज में सुना, सोने में काफी गिरावट आई है पहले लोग 6 घंटे सोते थे अब मोबाइल फोन के कारण 5 घंटे ही सोते हैं।

चिंटू मेडिकल डॉक्टर के पास गया, चिंटू- डॉक्टर साहब मुझे क्या बीमारी है? डॉक्टर- लड़कियों का पीछा करना छोड़ दो, चिंटू- उससे क्या होगा? डॉक्टर- अगर लड़कियों का पीछा करना नहीं छोड़ोगे, तो जल्दी ही मर जाओगे, चिंटू- लड़कियों का पीछा करने से कोई कैसे मर सकता है? डॉक्टर- क्योंकि उनमें से एक लड़की मेरी भी है।

पत्नी: मैं तुम्हें कितनी अच्छी लगती हूं? पति: बहुत ज्यादा... पत्नी: फिर भी बताओ कितनी? पति: इतनी कि मन करता है तुम्हारे जैसी एक और ले आऊं...

चिंटू: मेरी जिंदगी साली नर्क होती जा रही है, यमराज: हा हा हा हा, चिंटू: कौन है भाई ? यमराज: तेरे पापों का घड़ा अब भर चुका है, चिंटू: तो मोटर बंद कर दे ना मेरे भाई, यमराज भी बेहोश।

कहानी | ब्राह्मण का सपना

एक वक्त की बात है, किसी शहर में एक कंजूस ब्राह्मण रहता था। एक दिन उसे भिक्षा में जो सत्तू मिला, उसमें से थोड़ा खाकर बाकी का उसने एक मटके में भरकर रख दिया। फिर उसने उस मटके को खूंटी से टांग दिया और पास में ही खाट डालकर सो गया। सोते-सोते वो सपनों की अनोखी दुनिया में खो गया और विचित्र कल्पनाएं करने लगा। वो सोचने लगा कि जब शहर में अकाल पड़ेगा, तो सत्तू का दाम 100 रुपये हो जाएगा। मैं सत्तू बेचकर बकरियां खरीद लूंगा। बाद में इन बकरियों को बेचकर गाय खरीदूंगा। इसके बाद भैंस और घोड़े भी खरीद लूंगा। कंजूस ब्राह्मण कल्पनाओं की विचित्र दुनिया में पूरी तरह खो चुका था। उसने सोचा कि घोड़ों को अच्छी कीमत पर बेचकर खूब सारा सोना खरीद लूंगा। फिर सोने को अच्छे दाम पर बेचकर बड़ा-सा घर बनाऊंगा। मेरी संपत्ति को देखकर कोई भी अपनी बेटी की शादी मुझसे करा देगा। शादी के बाद मेरा जो बच्चा होगा, मैं उसका नाम मंगल रखूंगा। फिर जब मेरा बच्चा अपने पैरों पर चलने लगेगा, तो मैं दूर से ही उसे खेलते हुए देखकर आनंद लूंगा। जब बच्चा मुझे परेशान करने लगेगा, तो मैं गुस्से में पत्नी को बोलूंगा और कहूंगा कि तुम बच्चे को ठीक से संभाल भी नहीं सकती हो। अगर वह घर के काम में व्यस्त होगी और मेरी बात का पालन नहीं करेगी, तब मैं गुस्से में उठकर उसके पास जाऊंगा और उसे पैर से ठोकर मारूंगा। ये सारी बातें सोचते-सोचते ब्राह्मण का पैर ऊपर उठता है और सत्तू से भरे मटके में ठोकर मार देता है, जिससे उसका मटका टूट जाता है। इस तरह सत्तू से भरे मटके के साथ ही कंजूस ब्राह्मण का सपना भी चकनाचूर हो जाता है।

कहानी से सीख: इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि किसी भी काम को करते वक्त मन में लोभ नहीं आना चाहिए। लोभ का फल कभी भी मीठा नहीं होता है। साथ ही सिर्फ सपने देखने से सफलता नहीं मिलती, इसके लिए मेहनत करना भी जरूरी है।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज महाशिवरात्रि का दिन खुशियों भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले मे आप विदेश भी जा सकते है। आज आपके बच्चे आपको कोई गुड न्युज दे सकते है।

वृषभ

आज व्यवसायिक सफलता मिल सकती है। विदेशी संबंधों से लाभ संभावित है। कार्य सफलता और यश एवं कीर्ति प्राप्त करने के लिए आज महाशिवरात्रि का दिन शुभ है।

मिथुन

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको खुश रखेंगे और सुकून देंगे। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

कर्क

आज के दिन आपके मन में नए-नए विचार आ सकते है। आज किसी नए व्यापार की योजना भी बनाएंगे। सरकारी ऑफिस में काम करने वालों का आज प्रमोशन हो सकता है।

सिंह

आज महाशिवरात्रि के दिन आपका ज्ञान और हास-परिहास आपके चारों ओर लोगों को प्रभावित करेगा। आज अपनी आमदनी को और अच्छा बनाने के लिए प्रयासरत होगे।

कन्या

प्रभावशाली लोगों का सहयोग आपके उत्साह को दोगुना कर देगा। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है।

तुला

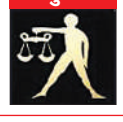

किसी दोस्त की ज्योतिषीय सलाह आपकी सेहत के लिए काफी उपयोगी रहेगी। अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है।

वृश्चिक

आज महाशिवरात्रि के दिन आपका रुझान आध्यात्म की तरफ रहेगा। किसी धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन की योजना बना सकते हैं।

धनु

आज आपको पूर्व में की गई मेहनत का फल मिलेगा। परिजनों का सहयोग प्राप्त होगा। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं।

मकर

आज महाशिवरात्रि के दिन भौतिक सुखों में वृद्धि होगी। कारोबार में लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। साझेदारी से लाभ होगा। स्वास्थ्य संभालकर चलिएगा।

कुम्भ

आज आप किसी खेल-कूद की प्रतिस्पर्धा में भाग ले सकते हैं। आपकी लगन और मेहनत पर लोग ग़ौर करेंगे और आज इसके चलते कुछ वित्तीय लाभ मिल सकता है।

मीन

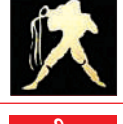

आज महाशिवरात्रि का दिन आपके लिए उत्तम है। आज सभी काम आपके मन के मुताबिक पूरे होंगे। आज आपकी मुलाकात किसी पुराने मित्र से हो सकती है।

अब ओटीटी पर धमाल मचाने आ रहे हैं धर्मेंद्र

डिजिटल वर्ल्ड ने कलाकारों को और पैर पसारने का मौका दिया है। कई नए-पुराने कलाकारों को ओटीटी पर देखा जाने लगा है। अब इस लिस्ट में बॉलीवुड के हीमैन कहे जाने वाले दिग्गज एक्टर धर्मेंद्र का नाम भी शुमार हो गया है। उन्होंने अपने हर रोल से लोगों को दीवाना बनाया है, लेकिन इस बार एक्टर का काफी अंदाज दर्शकों के सामने आने वाला है। दरअसल, धर्मेंद्र अब सूफी संत के किरदार में दिखाई देंगे। उन्होंने खुद इस बात का ऐलान करते हुए अपना लुक शेयर किया है। धर्मेंद्र जी-5 की वेब सीरीज ताज डिवाइडेड बाय ब्लड में सूफी संत शेख सलीम चिश्टी का किरदार निभाने जा रहे हैं। यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें मुगल साम्राज्य से जुड़ी चीजों को दर्शकों के सामने पेश करने की कोशिश की जा रही है। अब फिल्म से धर्मेंद्र ने अपना लक भी शेयर किया है।

धर्मेंद्र ने दिखाया सूफी लुक

धर्मेंद्र को इस लुक लाल चोला पहने और शॉल ओढ़े दिख रहे हैं। इसके साथ उन्होंने सिर पर सफेद पगड़ी बांधी हुई है। यहां एक्टर के चेहरे पर लंबी सफेद दाढ़ी-मूंछ नजर आ रही है।

इसके साथ दिग्गज एक्टर ने कैप्शन में लिखा, दोस्तों, मैं फिल्म ताज में शेख सलीम चिश्टी। एक सूफी संत का किरदार निभा रहा हूं। रोल छोटा है, लेकिन बहुत खास है। आपकी शुभकामनाओं की जरूरत है। अब एक्टर का ये ट्वीट तेजी से वायरल होने लगा है। फैंस में उन्हें अंदाज में देखने के लिए काफी उत्सुकता बढ़ गई है।

सीरीज में नजर आएंगे ये कलाकार

इस सीरीज में धर्मेंद्र के अलावा अदिति राव हैदरी, आशिम गुलाटी, राहुल बोस, संध्या मृदुल, जरीना वहाब और तारा शाह जैसे सितारे भी किरदारों में नजर आएंगे। वहीं, नसीरुद्दीन शाह को इसमें अकबर का रोल निभाते हुए देखा जाएगा। रोनाल्ड स्कैलपेलो के निर्देशन में बन रही इस सीरीज की कहानी साइमन फैंटाजो ने लिखी है। फिलहाल इस सीरीज की रिलीज डेट सामने नहीं आई है।

बॉलीवुड | मसाला

नोरा फतेही के हाथ लगा बड़ा प्रोजेक्ट

नोरा फतेही के चर्चे आज हर किसी की जुबां पर रहते हैं। नोरा ने दुनियाभर के लोगों पर अपने डांसिंग स्टाइल का जादू तो चलाया ही है, साथ ही वह अपने लुक्स, फोटोशूट्स और एक्टिंग की वजह से भी काफी सुर्खियों में रहती हैं। ऐसे में एक्ट्रेस को लगातार कई प्रोजेक्ट्स के ऑफर्स भी मिल रहे हैं। अब नोरा के हाथ एक नया प्रोजेक्ट लग चुका है, जिसे सुनकर उनके चाहने वालों की खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा।

हाल ही में आई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नोरा जल्द ही फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस एक्सेल एंटरटेनमेंट के तले बन रही फिल्म मडगांव एक्सप्रेस में नजर आने वाली हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म के निर्देशन की कमान एक्टर कुणाल खेमू से संभाली है। इसी फिल्म के जरिए कुणाल निर्देशन के तौर पर इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। खबर है कि इसमें नोरा लीड एक्ट्रेस के रूप में नजर आएंगी। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में नोरा का रोल काफी खास और अलग होगा।

गौरतलब है कि इससे पहले भी नोरा को कई फिल्मों में देखा जा चुका है, लेकिन हर बार वह साइड रोल में ही नजर आई हैं। ये पहला मौका है कि जब नोरा किसी फिल्म में लीड एक्ट्रेस के तौर पर दिखाई देंगी। मडगांव एक्सप्रेस में नोरा के साथ दिव्येंदु शर्मा, अविनाश तिवारी और प्रतीक गांधी जैसे सितारों को भी अहम किरदारों में देखा जाने वाला है। हालांकि, फिलहाल नोरा को लेकर आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। दूसरी ओर नोरा के वर्क फ्रंट की बात करें तो उन्हें कई रियलिटी टीवी शोज में जज के तौर पर देखा जा रहा है।

बॉलीवुड | मन की बात

सब होने के बाद भी नहीं बना पाया भाई को स्टार : आदित्य चोपड़ा

बॉलीवुड में नेपोटिज्म लंबे समय से एक गंभीर मुद्दा बना हुआ है। इस कारण कई स्टारकिड्स को अक्सर ट्रोलिंग का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कई सितारों ने सामने आकर नेपोटिज्म पर बात की है। अब मशहूर फिल्मकार आदित्य चोपड़ा ने भी पहली बार इस बहस के बीच चुप्पी तोड़ते हुए खुलकर बात की है। वह नेपोटिज्म के साथ-साथ अपने भाई उदय चोपड़ा के फ्लॉप करियर पर भी बोले। आदित्य ने नेटफ्लिक्स की डॉक्यूमेंट्री द रोमांटिक्स में इस पर बात की।आदित्य और उदय चोपड़ा को विरासत में ये फिल्मी दुनिया मिली है। वह जाने माने फिल्मकार यश चोपड़ा के बेटे हैं, जिन्होंने लोगों को प्यार की परिभाषा सिखाई। पिता के नक्शे कदमों पर चलकर बड़े बेटे आदित्य चोपड़ा एक हिट निर्माता-निर्देशक बन चुके हैं, लेकिन वहीं उनके छोटे बेटे उदय चोपड़ा की बात आती है तो कहने के लिए जैसे कुछ रह ही नहीं जाता। उदित ने एक्टिंग की दुनिया में अपना करियर चुना। धूम और मोहब्बतें जैसी हिट फिल्में देने के बावजूद उदय फ्लॉप हो गए। अब अपने भाई उदय के उदाहरण के साथ ही आदित्य ने नेपोटिज्म पर बात की है। उन्होंने कहा, लोग जिस एक चीज को नजरअंदाज कर देते हैं, वो यह है कि फिल्मी बैकग्राउंड से आने वाला हर शख्स सफल नहीं होता। अपनी इस बात को मैं अपने परिवार का उल्लेख करते हुए ही स्पष्ट करता हूं। मेरा भाई एक एक्टर है, लेकिन वो सफल एक्टर नहीं बन पाया, जबकि वो सबसे बड़े फिल्म निर्माताओं का बेटा है। आदित्य ने आगे कहा, वो एक सफल निर्माता का भाई है। ब्लैकबेरी जैसी कंपनी ने न जाने कितने ही न्यू कमर्स को इंडस्ट्री में लॉन्च किया है, लेकिन हम उसे स्टार नहीं बना पाए। हम अपने लिए क्यों नेपोटिज्म का इस्तेमाल नहीं कर पाए? कुल मिलाकर बात यह है कि सिर्फ दर्शक ही तय कर सकते है कि उन्हें कौन सा कलाकार पर्दे पर देखना पसंद है। वहीं, उदय चोपड़ा का कहना है कि फिल्म मोहब्बतें का हिस्सा बनने के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ी थी।

अजब-गजब | यहां से गुजरने वालों के मोबाइल में बदल जाता है समय

रहस्यों से भरी है भारत की यह सड़क

यह दुनिया रहस्यों से भरी हुई है, जिनके बारे में जानकर हर कोई हैरान रह जाता है। रांची टाटा एनएच पर स्थित तैमारा घाटी में ऐसी रहस्यमयी घटनाएं हुई हैं, जिनके बारे में जानकर आप भी हैरत में पड़ जाएंगे कि ऐसा कैसे हो सकता है। इस घाटी से गुजरने वाले लोगों ने यहां ऐसी चीजें अनुभव की हैं, जिन पर एक बार में विश्वास करना मुश्किल हो जाता है। यहां से गुजरने पर लोगों के मोबाइल में टाइम चेंज हो जाता है। इसे लेकर विशेषज्ञ भी हैरत में पड़ गए। पिछले साल तैमारा घाटी से गुजरने वाले कई लोगों को अलग-अलग अनुभव हुए। कुछ लोगों का कहना है कि गाड़ी की गति कुछ और होती है और स्पीडोमीटर कुछ और बताता है। कुछ लोगों का कहना है कि कभी अचानक गाड़ी का क्लच प्लेट जाम हो जाता है और गाड़ी रूक जाती है। फिर थोड़ी देर में गाड़ी खुद-ब-खुद स्टार्ट भी हो जाती है।

रांची विश्वविद्यालय के भूगर्भ विभाग के व्याख्याता डॉ. नितिश प्रियदर्शी ने इस बारे में बताया था कि उन्हें भी इस तरह की विचित्र घटना की जानकारी मिली थी। उन्होंने बताया कि एक दिन उनके एक दोस्त ने ऐसी ही घटना के बारे में बताया। व्याख्याता के दोस्त रांची-टाटा रोड में रामपुर से बुंडू रोड से गुजर रहे थे तो उनको एक

फोन आया। उस वक्त वे कार चला रहे थे। यह घटना 11 जनवरी 2022 की है। उनका फोन अचानक बंद हो गया। जब उन्होंने दोबारा फोन को ऑन किया तो वे चौंक गए क्योंकि फोन में तारीख अगस्त 27,2023 आ रही थी और समय भी बदला हुआ था। यानी डेढ़ साल के आगे के समय से ये फोन आया। इस तरह की कई घटनाएं उनके विभिन्न मित्रों के साथ भी हुई।

इसके साथ ही डॉ. प्रियदर्शी ने बताया था कि ये भी पता चला कि जहां पर ये घटना हुई, वहां की स्ट्रीट लाइट हमेशा कांपती है, जबकि इन लोगों की कार की स्पीड भी ज्यादा नहीं थी। उनका कहना है कि क्या वहां कोई चुम्बकीय विकिरण है, जो मोबाइल को प्रभावित करती है या फिर कोई काल और समय का मामला है? इसे ऐसे भी समझा जा सकता है कि जब कोई नए जगह पर गए तो वहां लगेगा कि जैसे इस स्थान पर पहले भी आ चुके हैं।

कई बार ऐसा होता है कि जब किसी नये व्यक्ति से कोई मिलते हैं तो यह महसूस होता है कि पहले भी उससे मुलाकात हो चुकी है। काल और समय के रहस्य पर आज भी शोध हो रहा है। वैसे भी तैमारा घाटी के रहस्यों पर बहुत सारी कहानियां विभिन्न सोशल वेबसाइट पर मौजूद हैं। डॉ. प्रियदर्शी ने लोगों को यह सलाह दी है कि वे फोन पर आये तारीख को कहीं लिख लें और आने वाले समय में क्या होता है, उसके होने का इंतजार करें।

इस कुएं में आज भी मौजूद है खुफिया सुरंग 900 साल से ज्यादा पुराना है इसका इतिहास

पूरी दुनिया में तमाम ऐसे रहस्य हैं जिनके बारे में इंसान आज तक पता नहीं लगा पाया। इनमें से बहुत से रहस्य तो हमारे ही देश में मौजूद है जो आज भी लोगों को आश्चर्य में डाल देते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही रहस्य के बारे में बताने जा रहे हैं। बता दें कि पुराने जमाने में राजा-महाराजा अक्सर अपने राज्य में जगह-जगह कुआं खुदवाते रहते थे। जिससे जनता के लिए पानी की कमी न हो। उस जमाने में हर स्थान पर तमाम कुएं मिल जाया करते थे। जिनके अवशेष आज भी पाए जाते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही कुएं के बारे में बताने जा रहे हैं जिसके बारे में कहा जाता है कि इसमें एक खुफिया सुरंग बनाई गई थी। इस कुएं को रानी की बावड़ी के नाम से जाना जाता है। दरअसल, बावड़ी का मतलब सीढ़ीदार कुआं होता है। रानी की बावड़ी का इतिहास 900 साल से भी ज्यादा पुराना है। अब इस बावड़ी को देखने के लिए हजारों पर्यटक हर साल यहां पहुंचते हैं। साल 2014 में यूनेस्को ने इसे विश्व विरासत स्थल घोषित किया था। ये बावड़ी गुजरात के पाटण में स्थित है जिसे रानी की वाव भी कहा जाता है। कहते हैं कि रानी की वाव यानी बावड़ी का निर्माण 1063 ईस्वी में सोलंकी राजवंश के राजा भीमदेव प्रथम की स्मृति में उनकी पत्नी रानी उदयामति ने करवाया था। रानी उदयमति जूनागढ़ के चूड़ासमा शासक रा खेंगार की पुत्री थीं। रानी की वाव 64 मीटर लंबी, 20 मीटर चौड़ी और 27 मीटर गहरी है। यह भारत में अपनी तरह का सबसे अनोखी वाव है। इसकी दीवारों और स्तंभों पर बहुत सी कलाकृतियां और मूर्तियों की शानदार नक्काशी की गई है। इनमें से अधिकांश नक्काशियां भगवान राम, वामन, नरसिम्हा, महिषासुरमर्दिनी, कल्कि आदि जैसे अवतारों के विभिन्न रूपों में भगवान विष्णु को समर्पित हैं। ये बावड़ी सात मंजिला है जो मारू-गुर्जर वास्तु शैली का साक्ष्य है। यह करीब सात शताब्दी तक सरस्वती नदी के लापता होने के बाद गाद में दबी हुई थी। इसे भारतीय पुरातत्व विभाग ने फिर से खोजा और साफ-सफाई करवाई। उसके बाद यहां पर्यटकों का आना जाना शुरु हो गया। कहते हैं कि इस विश्वप्रसिद्ध सीढ़ीनुमा बावड़ी के नीचे एक छोटा सा गेट भी है, जिसके अंदर करीब 30 किलोमीटर लंबी सुरंग बनी हुई है। यह सुरंग पाटण के सिद्धपुर में जाकर खुलती है। ऐसा माना जाता है कि पहले इस खुफिया सुरंग का इस्तेमाल राजा और उसका परिवार युद्ध या फिर किसी कठिन परिस्थिति में करते थे, लेकिन अब ये सुरंग पत्थरों और कीचड़ों की वजह से बंद हो गई है।

कांग्रेस ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर उठाया है सवाल

इजरायली कंपनी के दुष्प्रचार पर सरकार की चुप्पी संदेह के घेरे में

» चुनावों को प्रभावित करने के मामले की हो जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। इजरायल की एक निजी खुफिया कंपनी के सोशल मीडिया दुष्प्रचार और फेक न्यूज से 30 देशों के चुनाव को प्रभावित करने की खबरों को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार की चुप्पी पर सवाल उठाया है।

पार्टी ने कहा कि सोशल मीडिया दुष्प्रचार के माध्यम से चुनाव पर असर डालने वाले इन देशों में भारत का नाम भी है और ऐसे में सरकार को जांच कर यह बताना चाहिए कि किसने इस इजरायली कंपनी की अपनी सेवाएं देने के लिए हायर किया। पवन खेड़ा ने कहा कि यह हिन्दुस्तान में बैठकर देश के लोकतंत्र के खिफाफ साजिश रचने जैसा है और विदेशी एजेंसियों के साथ मिलकर लोकतंत्र को खत्म करने का यह प्रयास दिल दहलाने वाला है। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि 2014 में कैंब्रिज एनलिटिका फिर 2019 चुनाव से पूर्व पेगासस के जरिए जासूसी और अब इजरायल की निजी खुफिया कंपनी के जरिए सोशल मीडिया पर हेर-फेर कर लोकतंत्र से छेड़छाड़ किया है।

इस कंपनी ने फेसबुक, टवीटर, इंस्टाग्राम, लिंकडिन सहित तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म के जरिए जिन 30 देशों में झूठ व दुष्प्रचार के जरिए चुनावों को प्रभावित करने की कोशिश की है उसमें भारत भी है। इस खुलासे के बाद भी सरकार की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है।

कांग्रेस ने इस बारे में सरकार पर सवाल दागते हुए कहा कि क्या यह सच नहीं है कि भाजपा ने पिछले 4-5 महीनों में भारत जोड़ो यात्रा को बार-बार निशाना बनाने के लिए फेक न्यूज का इस्तेमाल किया? क्या यह सच नहीं है कि भाजपा और उसके इको सिस्टम ने बार-बार फैक्ट चेकर्स को निशाना बनाया है और उनमें से कुछ को जेल भी भेजा है?

लोकतंत्र को हाईजैक कर रही सत्ताधारी पार्टी

पत्रकारों के एक वैश्विक समूह की अध्ययन रिपोर्ट के आधार पर द गार्डियन में इजरायली कंपनी को लेकर किए गए इस खुलासे पर कांग्रेस के मीडिया और सोशल मीडिया विभाग के प्रमुखों पवन खेड़ा और सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि भारत में लोकतंत्र को सत्ताधारी पार्टी द्वारा हाईजैक किया जा रहा है। चुनाव को प्रभावित करने के लिए पहले इजरायली जासूसी तंत्र पेगासस, फिर सोशल मीडिया पर दुष्प्रचार व झूठ फैलाने वाली कंपनी की सेवाएं ली जा रही है।

स्कूल बस, ऑटो और डंपर में भीषण टक्कर, 5 बच्चों की मौत, कई घायल

» हरियाणा के पलवल में दर्दनाक हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

फरीदाबाद। हरियाणा के पलवल में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। इस घटना में एक ऑटो और स्कूल बस के बीच तेज टक्कर हुई है। एक्सिडेंट में पांच स्कूली बच्चों की मौत हो गई है, जबकि कई अस्पातल में भर्ती हैं। घटना में दर्जनभर से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल है, उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वहीं मौके पर पुलिस और अधिकारियों ने पहुंचकर मामले की पड़ताल शुरू कर दी है। स्कूली बस हादसा चांट इलाके की मुख्य सड़क पर हुआ है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कूल बस में छात्र सवार थे, वे स्कूल जा रहे थे। वहीं ऑटो में कुछ सवारियां बैठी थीं। टक्कर स्कूली बस, ऑटो और डंफर के बीच हुई है। सूचना के बाद बस में सुरक्षित बचे बच्चे भी दहशत में आ गए। सूचना के बाद सभी बच्चों के पैरेंट्स मौके पर, स्कूल और अस्पताल पहुंचे। जो बच्चे ठीक थी, उनके अभिभावक उन्हें वापस घर ले गए।

फोटो :4 पीएम

कार्यक्रम प्रदेश के चीनी उद्योग के 120 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित करके शुभारंभ करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

संघ ने अयोध्या में कार्यालय खोलने का किया खंडन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अयोध्या में बनेगा संघ का नया मुख्यालय खबर को आरएसएस ने खारिज कर दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अवध प्रांत के प्रचार प्रमुख डा.अशोक दूबे की विज्ञप्ति के अनुसार कई मीडिया प्लेटफार्म पर प्रकाशित समाचार अयोध्या में बनेगा आरएसएस का नया मुख्यालय, संघ ने टाउनशिप में माँगी 100 एकड़ ज़मीन पूर्णरूपेण भ्रामक, असत्य एवं मनगढ़ंत समाचार है । अयोध्या में संघ का बड़ा कार्यालय साकेत निलयम पहले से ही बना हुआ है। संघ ने अयोध्या में ज़मीन प्राप्त करने हेतु किसी प्रकार का कोई प्रस्ताव कहीं नहीं प्रेषित किया है उधर संघ के खंडन के बाद सभी समाचार माध्यमों ने इस तथ्यहीन खबर को अपनी वेबसाइट से हटा दिया है।

बीबीसी के दफ्तरों में आईटी का सर्वे 60 घंटे बाद खत्म

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। बीबीसी के दफ्तरों में पिछले तीन दिनों से आयकर की टीम का सर्वे खत्म हो गया है। आयकर विभाग की टीमें बीबीसी के दिल्ली, मुंबई के दफ्तरों से निकल गई है। पिछले 60 घंटों से ज्यादा समय के बाद बीबीसी के दफ्तरों में आईटी विभाग के सर्वे में कई जरूरी दस्तावेज मिलने की जानकारी है।

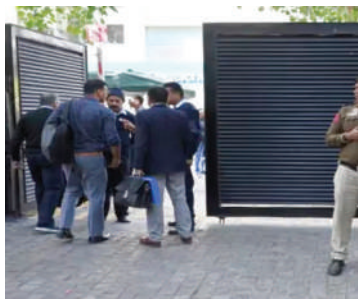

आइटी विभाग के अनुसार, यह सर्वे बीबीसी की सहायक कंपनियों के इंटरनेशनल टैक्सेशन की जांच के लिए किया जा रहा है। आयकर विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार को कर्मचारियों से वित्तीय डाटा इकट्ठा किया। अधिकारियों ने कहा कि दिल्ली और मुंबई में बीबीसी के कार्यालय में सर्वे मंगलवार सुबह 11:30 बजे शुरू हुआ और करीब 60 घंटे के बाद खत्म हुआ। कार्रवाई पर आयकर विभाग की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कल विभाग अधिकारिक बयान दे सकता है। इधर, बीबीसी ने कहा है कि वह अधिकारियों के साथ सहयोग कर रहा है। सर्वे के दौरान बीबीसी के साथ काम करने वाले कर्मचारियों से किसी भी डाटा को डिलीट न करने को कहा गया था।

गो-तस्करी के शक में दो युवकों को किया अगवा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भिवानी में मिली जली हुई लाश

भरतपुर/भिवानी। हरियाणा के भिवानी में एक एसयूवी से बुधवार को दो लोगों के जली अवस्था में शव मिले थे। पुलिस ने जांच के बाद बताया कि दोनों युवक राजस्थान स्थित भरतपुर के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक, गो-तस्कर होने के संदेह में बुधवार को उन्हें भरतपुर से अगवा किया गया था। इस मामले में पांच लोगों को नामजद किया गया है। पांच में एक व्यक्ति बजरंग दल से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है।

दोनों युवकों के जले हुए कंकाल पड़ोसी राज्य हरियाणा के भिवानी में एसयूवी से मिले। इस सनसनीखेज कांड से हड़कंप मच गया। पुलिस को जैसे ही मामले की सूचना मिली तो उन्होंने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी।

युवकों की हुई पहचान

बताया जा रहा कि जली हुई हालत में जिन युवकों के शव मिले उनकी पहचान 39 वर्षीय जुनैद और 21 वर्षीय नासिर के तौर पर हुई है। इनके शव हरियाणा के लोहारू थाना इलाके बरवास गांव से मिले थे। भरतपुर के आईजी गौरव श्रीवास्तव ने बताया कि कि हरियाणा पुलिस से उन्हें दोनों मृत युवकों के बारे में सूचना मिली थी। उन्होंने ये भी बताया कि हरियाणा के पांच लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया है।

हरियाणा के 5 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

भरतपुर के आईजी ने कहा कि गुरुवार सुबह जब हमने हरियाणा पुलिस के साथ इन युवकों के इनपुट साझा किए, तो हमें इनकी जानकारी वहां की पुलिस से मिली। हरियाणा पुलिस की ओर से बताया कि बरवास गांव में बोलेरो गाड़ी से दो कंकाल मिले हैं। आईजी ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत हो रहा है कि दोनों की जलकर मौत हुई है। भरतपुर के आईजी गौरव श्रीवास्तव के मुताबिक, हरियाणा के पांच लोगों अनिल, श्रीकांत, रिंकू सैनी, लोकेश सिंघिया और मोनू के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज किया गया है।

ओवैसी के निशाने पर आए सीएम गहलोत

नई दिल्ली। हरियाणा के भिवानी के लोहारू में बृहस्पतिवार को कार से दो युवकों के जले हुए कंकाल मिलने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। इस मामले को लेकर अब सियासत भी शुरू हो गई है। ओवैसी ने ट्वीट कर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जुनैद और नसीर को अगवा किया गया और फिर उन्हें जला दिया गया। ओवैसी ने लिखा कि दो दिन पहले जुनैद और नासिर को राजस्थान के घाल्मिका से अगवा कर लिया गया था। आज उनकी जलाई हुई लाशें मिली हैं। उन्होंने राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत को ट्विटर पर टैग करते हुए लिखा कि पुलिस ने वक्त पर कार्रवाई नहीं की और अभी तक मुजरिमों को गिरफ्तार नहीं किया। ओवैसी ने कहा कि मुजरिम जाने-माने गौ रक्षक हैं। जुनैद, नासिर के परिवारों के साथ इंसाफ होना चाहिए।

Contact for
Grills, Railing, Gate, Tin Shade,
Stairs and other fabrication

V K FABRICATOR
5/603 Vikas Khand, Gomti Nagar Lucknow -226010
Mob : 9918721708

उद्धव ठाकरे को सुप्रीम कोर्ट का झटका

शिवसेना विधायकों की अयोग्यता का केस बड़ी बेंच में भेजने से इनकार, 21 को फिर होगी सुनवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट से उद्धव ठाकरे खेमे को बड़ा झटका लगा है। शिवसेना विधायकों की अयोग्यता के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इसे बड़ी बेंच के पास भेजे जाने की जरूरत नहीं है। इस मामले में कोर्ट ने सुनवाई के लिए अगली तारीख 21 फरवरी तय की है। उद्धव ठाकरे गुट ने शिंदे खेमे में जाने वाले 16 विधायकों की सदस्यता रद्द करने की मांग की थी। इन विधायकों की बगावत के बाद एकनाथ शिंदे ने राज्य में नई सरकार बनाई थी। बीजेपी भी इस सरकार का हिस्सा है।

शुक्रवार को शिवसेना विधायकों के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे बड़ी बेंच के पास भेजे जाने से इनकार किया है। पांच जजों की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। इनमें चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ के अलावा जस्टिस एमआर शाह, कृष्ण मुरारी, हिमा कोहली और पीएस नरसिम्हा शामिल हैं। अब 21 फरवरी से उद्धव ठाकरे और एकनाथ शिंदे गुट के दावे पर मेरिट के आधार पर सुनवाई होगी। गुरुवार को संविधान पीठ ने विधायकों की अयोग्यता के मामले में दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस सुनवाई के दौरान उद्धव ठाकरे गुट ने नबाम रेबिया फैसले का हवाला देते हुए कुछ बिंदुओं को सात जजों को बेंच के पास भेजने की मांग की थी। वहीं शिंदे गुट की दलील थी कि इस पर पुनर्विचार की जरूरत नहीं है।

उद्धव खेमे की मांग थी सात जजों की बेंच को रेफर किया जाए केस

उद्धव ठाकरे खेमे की तरफ से सुप्रीम कोर्ट में सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने दलीलें पेश की थीं। सिब्बल ने नबाम रेबिया जजमेंट केस के हवाले से मामले को सात जजों की बेंच को रेफर करने की अपील की थी। पिछली सुनवाई में भी सिब्बल ने सात जजों के पास केस को रेफर करने की मांग की थी। 2016 में पांच जजों की संवैधानिक बेंच ने नबाम रेबिया केस में फैसला सुनाया था। देश की सबसे बड़ी अदालत ने कहा था कि विधानसभा स्पीकर उस सूरत में विधायकों की अयोग्यता की याचिका पर आगे नहीं बढ़ सकते हैं, जबकि स्पीकर को हटाने की पूर्व सूचना सदन में लंबित है। यानी स्पीकर तब अयोग्यता की कार्यवाही को आगे नहीं बढ़ा सकते हैं, जब खुद उन्हें हटाने के लिए प्रस्ताव लंबित हो। चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा था कि यह पांच जजों की बेंच तय करेगी कि मामले को क्या बड़ी बेंच को भेजा जाना चाहिए? महाराष्ट्र में सियासी संकट के बीच पिछले साल सुप्रीम कोर्ट के तीन जजों की बेंच ने मामले को संवैधानिक बेंच को रेफर किया था। उस वक्त सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एनवी रमण के नेतृत्व वाली तीन जजों की बेंच ने 23 अगस्त 2022 को इस मामले में अपना फैसला सुनाया था। बेंच ने कहा था कि संवैधानिक बेंच यह तय करेगा कि स्पीकर और डिप्टी स्पीकर के क्या अधिकार हैं। महाराष्ट्र विधानसभा में चार जुलाई 2022 में हुए शक्ति परीक्षण के दौरान इन विधायकों ने एकनाथ शिंदे का समर्थन किया था। फ्लोर टेस्ट के दौरान सिर्फ 15 विधायकों ने उद्धव ठाकरे का समर्थन किया था, वहीं 40 विधायक शिंदे खेमे के साथ थे।

तुर्किये से सफल ऑपरेशन के बाद भारत लौटी एनडीआरएफ की टीम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तुर्किये-सीरिया में भूकंप से अब तक 41 हजार से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। तुर्किये की मदद के लिए भारत से भी एनडीआरएफ की टीम भेजी गई थी, जो अब वापस वतन लौट आई है। बता दें कि इस टीम में डॉग स्क्वाड के सदस्य रैम्बो और हनी भी शामिल हैं। इसके अलावा 47 सदस्यीय भी हैं, जो शुक्रवार को भारत लौट आए हैं।

दरअसल, 6 फरवरी को तुर्किये में भूकंप आने के 24 घंटे के भीतर भारत ने एनडीआरएफ की टीमें भेजकर तुर्किये में ऑपरेशन दोस्त शुरू किया था। तुर्किये में भूकंप के बाद पहुंची एनडीआरएफ की आठवीं बटालियन के जवानों ने अपने साहसी कार्यों से कई जानें बचाईं। करीब 10 दिनों तक सफल तरीके से ऑपरेशन दोस्त चलाकर एनडीआरएफ की एक टीम शुक्रवार को भारत लौट आई है। एनडीआरएफ जवानों का पहला सी-17 ग्लोबमास्टर विमान सुबह 9:00 बजे गाजियाबाद के हिंडन एयरपोर्ट पहुंचा।

चेतन शर्मा ने भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता के पद से दिया इस्तीफा

» स्टिंग ऑपरेशन में खिलाड़ियों के इंजेक्शन लेने का किया था खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता चेतन शर्मा ने स्टिंग ऑपरेशन के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। एक स्टिंग ऑपरेशन में चेतन शर्मा ने भारतीय टीम और खिलाड़ियों से जुड़े कई खुलासे किए थे। इसके बाद वह लगातार विवादों में बने हुए थे। अब उन्होंने भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम की चयन समिति के अध्यक्ष का पद छोड़ दिया है।

चेतन शर्मा ने अपने अपना इस्तीफा बीसीसीआई सचिव जय शाह को भेजा है और उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है। उन्हें सात जनवरी 2023 को दूसरी बार

भारतीय टीम की चयन समिति का अध्यक्ष चुना गया था। इसके लगभग एक महीने बाद ही उन्हें अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा है। दो बार भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य चयनकर्ता बने हैं, लेकिन दोनों बार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर सके हैं। चेतन शर्मा ने एक टीवी चैनल के स्टिंग ऑपरेशन में विराट कोहली और सौरव गांगुली के रिश्ते से लेकर खिलाड़ियों के इंजेक्शन लेने सहित कई मामलों पर गंभीर खुलासे किए थे।

चेतन शर्मा ने कहा था कि भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ी 80 प्रतिशत फिट होने पर इंजेक्शन लेते हैं और 100 प्रतिशत फिट हो जाते हैं। ये पेन किलर नहीं होते हैं। इन इंजेक्शन में ऐसी दवा होती है जो डोप टेस्ट में नहीं पकड़ी जाती है। नकली फिटनेस के लिए इंजेक्शन लेने वाले इन सभी खिलाड़ियों के पास बाहर भी डॉक्टर होते हैं।

कार पलटी, दंपति की मौत, दो बच्चे घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। बिजनौर के नगीना में कार अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई। हादसे में कार सवार पति पत्नी की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि दो बच्चे और एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

दरअसल, यह दर्दनाक हादसा बिजनौर के नगीना थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे 74 पर नगीना कोतवाली देहात बॉर्डर पर शुक्रवार की सुबह साढ़े 5 बजे हुआ। जब एक टोयोटा ग्लैंजा कार अचानक से अनियंत्रित होकर पलट गई। कार को सतकरतार पुत्र हरबंस सिंह निवासी छोटे गुरुद्वारे वाली गली थाना काशीपुर जिला उधम सिंह नगर चला रहे थे।

कार में उनके साथ गुरजीत पुत्र बलदेव निवासी फसीहापुर थाना काशीपुर उधम सिंह नगर व उनकी पत्नी सिमरन कौर, बेटा जगदीप उम्र 15 वर्ष व बेटी हरनीत उम्र 21 वर्ष गाड़ी

में सवार थे। सभी लोग कार में सवार होकर काशीपुर से चंडीगढ़ (पंजाब) अपने पारिवारिक समारोह में शामिल होने जा रहे थे।

सुबह लगभग 5.30 बजे गाड़ी कोतवाली देहात नगीना के बॉर्डर पर अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। जिसके कारण गाड़ी चालक सतकरतार व उनकी पत्नी सिमरन कौर की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। पुत्री हरनीत व पुत्र जपदीप व मित्र गुरजीत 35 वर्ष घायल हो गए। हादसे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया जबकि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रफ्तार का कहर, बेकाबू कार ने दो को रौंदा, एक की मौत, दूसरा गंभीर

झांसी। झांसी में राजगढ़ के पास शुक्र वार सुबह भीषण हादसा हो गया। बेकाबू बोलेरो ने दुकान पर चाय पी रहे दो युवकों को रौंद दिया। इसमें एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक को मेडिकल कॉलेज में भर्ती करवाया गया है। टक्कर के बाद बोलेरो गाड़ी भी पलट गई और ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस नंबर के आधार पर उसकी तलाश में जुट गई है। वहीं, शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवाया गया है। दोपहर बाद शव का पोस्टमार्टम होगा। प्रेम नगर थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने बताया कि मृतक का नाम संतोष कुमार पांडेय है। वह कानपुर का रहने वाला था। जबकि घायल का नाम राहुल है। दोनों झांसी में एक फैक्ट्री में काम करते हैं। आज सुबह लगभग 7 बजे वे राजगढ़ में एक दुकान पर चाय पी रहे थे। तभी तेज गति से आ रही बोलेरो ने दोनों को रौंद दिया। इसके बाद बोलेरो पलट गई। किसी प्रकार ड्राइवर गाड़ी से बाहर निकला और मौके से भाग गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कालेज भेजा। जहां डॉक्टरों ने संतोष कुमार पांडेय को मृत घोषित कर दिया। जबकि राहुल का इलाज चल रहा है। संतोष के परिजनों को हादसे की जानकारी दी गई है। वे कानपुर से झांसी के लिए रवाना हो गए हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।